ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 301 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

07 मई 2026 गुरुवार

आज का मौसम
38.4 अधिकतम
24.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

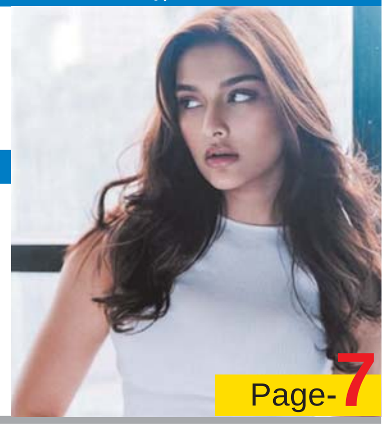

Page-7

**सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या... आने वाले दिनों में बंगाल की राजनीति में बड़े तूफान के संकेत**

# बंगाल में कौंधता खौफनाक सवाल... शपथ से पहले सुवेंदु की हत्या प्लान?

**कोलकाता, एजेंसी**

पश्चिम बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण से ठीक 52 घंटे पहले सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या ने बंगाल समेत पूरे देश को हिला दिया है। बुधवार रात मध्यमग्राम में जिस तरह से 4 बाइक और एक कार में सवार 8 पेशेवर हमलावरों ने उनकी हत्या की, उसने एक खौफनाक सवाल को जन्म दिया है। क्या असली निशाना सुवेंदु अधिकारी ही थे? अत्याधुनिक ग्लॉक पिस्टल का इस्तेमाल और विधानसभा बोर्ड लगी सफेद स्कॉर्पियो को घेरकर की गई अंधाधुंध फायरिंग इशारा कर रही है कि हमलावरों को लगा था कि कार में शुवेंदु मौजूद हैं। जब शुवेंदु की हत्या का प्लान फेल हुआ, तो उन्होंने उनके सबसे करीबी साथी चंद्रनाथ को मौत के घाट उतारकर सनसनीखेज राजनीतिक संदेश दिया है।

भाजपा के कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक और पूर्व वायुसेना जवान चंद्रनाथ रथ की सरेआम हत्या सिर्फ एक पीए की मौत तक सीमित नहीं है। घटना की क्रोनोलॉजी, हमलावरों की तादाद, हथियारों की क्वालिटी और वारदात का तरीका देखकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह एक बहुत बड़ी 'टारगेट किलिंग' की कोशिश थी। जिस सफेद स्कॉर्पियो को निशाना बनाया गया, वह अक्सर सुवेंदु के काफिले का हिस्सा रहती है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या सुवेंदु अधिकारी की जान लेने के लिए कोई पेशेवर 'डेथ स्क्वाड' भेजा गया था? यह हत्याकांड बंगाल की राजनीति में आने वाले दिनों में बड़े तूफान का संकेत रहा है।

## हत्या में इस्तेमाल गाड़ियां और हथियारों से शक... यह किसी मामूली व्यक्ति की हत्या की तैयारी नहीं थी

सुवेंदु अधिकारी
भाजपा नेता

मृतक चंद्रनाथ रथ
पीए

### सफेद स्कॉर्पियो और 'टारगेट'

पुलिस सूत्रों का मानना है कि हमलावरों ने इसी बोर्ड और गाड़ी के मॉडल को देखकर यह अंदाजा लगाया कि भीतर सुवेंदु अधिकारी ही बैठे हैं। उन्हें शायद पक्की जानकारी थी कि शुवेंदु इसी रास्ते से गुजरने वाले हैं, लेकिन गाड़ी में उनके पीए को देखकर भी उन्होंने रहम नहीं किया। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि हमलावर काफी दूर से गाड़ी का पीछा कर रहे थे। मध्यमग्राम के दोहरिया इलाके में एक छोटी कार ने अचानक ओवरटेक करके स्कॉर्पियो का रास्ता रोका। इससे पहले कि ड्राइवर बुद्धदेव कुछ समझ पाते, 4 बाइक पर सवार 8 शूटरों ने खिड़की से सटाकर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। यह हमला इतना सटीक और प्रोफेशनल था कि चंद्रनाथ को संभलने का एक मौका भी नहीं मिला। एक साधारण पीए की हत्या के लिए 8 बंदूकधारियों और 5 गाड़ियों का इस्तेमाल किसी के गले नहीं उतर रहा है। पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि यह 'ओवरकिल' (जरूरत से ज्यादा ताकत का इस्तेमाल) की स्थिति थी। आमतौर पर ऐसी घेराबंदी किसी बड़े राजनेता या वीवीआईपी को खत्म करने के लिए की जाती है।

### हमला मुझ पर था - सुवेंदु

सुवेंदु ने घटना के बाद गुस्से में कहा कि यह हमला असल में मुझ पर था, मेरे साथी ने मेरी जगह अपनी जान दे दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने भी इसे एक सोची-समझी राजनीतिक हत्या करार देते हुए कहा है कि विपक्षी खेमा सुवेंदु की सुरक्षा को भेदने की फिराक में है। दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस ने इसे भाजपा की अंदरूनी कलह बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। हालांकि, मध्यमग्राम की सड़कों पर जो खून बहा है, उसने यह साफ कर दिया है कि बंगाल में सत्ता का संघर्ष अब खूनी मोड़ ले चुका है।

### चंद्रनाथ को लगी 4 गोलियां

एक बाइक पर आए हमलावर ने स्कॉर्पियो की बाईं तरफ से 6 से 10 राउंड फायरिंग की। चंद्रनाथ को 4 गोलियां लगीं। इनमें दो गोलियां सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी। घटना के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चंद्रनाथ को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ड्राइवर की हालत गंभीर है।

# बंगाल में भाजपा के लिए खतरे का अलर्ट... तमिलनाडु में कसौटी पर विजय का विवेक

कोलकाता में ममता बनर्जी को लगातार धूल चटाने वाले सुभेंदु अधिकारी के दाएं हाथ समझे जाने वाले वायुसेना के पूर्व फौजी चंद्रनाथ रथ की बुधवार की रात हत्या की घटना बंगाल के उस गुंडाराज की कहानी बयां कर रही है , जो वामपंथी सरकार से लेकर ममता की टीएमसी सरकार और भाजपा की सरकार के औपचारिक तौर पर वजूद में आने के पहले तक कायम है। हमलावरों के निशाने पर शुभेंदु थे या चंद्रनाथ रथ की हत्या करके सन्देश दिया गया, यह तो आगे की पड़ताल में ही सामने आएगा। लेकिन यह घटना काफी कुछ संकेत भी दे रही है और संदेश भी , जिनका जिक्र दोपहर मेट्रो ने कल ही अपने प्रसंगवश कॉलम के जरिए किया था। उधर, पेंच तमिलनाडु में भी फंसा है जो शायद जल्द सुलझ जाएगा लेकिन बंगाल की लड़ाई लंबी खिंचने वाली है।

त्वरित टिप्पणी
राजेश सिरोठिया

जिस पेशेवर अंदाज में यह घटना हुई, प्रथमदृष्टया वह किसी बड़ी साजिश की तरफ इशारा कर रही है। यह भाजपा की भावी सरकार के लिए खतरे का बड़ा अलर्ट भी है। संदेश साफ है कि भले ही दो सौ के पार भाजपा का आंकड़ा पहुंचा है, लेकिन बंगाल में सरकार के संचालन की राह आसान नहीं है। केंद्रीय मंत्री और बंगाल में भाजपा की जीत के सूत्रधार अमित शाह पटना में सम्राट चौधरी सरकार की काबीना के गठन के बाद कोलकाता पहुंच रहे हैं। वैसे तो संवैधानिक लिहाज से बंगाल विधानसभा का कार्यकाल आज ही खत्म हो रहा है। यानी अब नई सरकार के गठन का रास्ता खुल चुका है, और ममता बनर्जी की लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं देने की जिद का भी कोई मतलब नहीं रह जाता। हालांकि यह टिप्पणी लिखे जाने तक बंगाल के राज्यपाल ने नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर कोई तिथि या समय का निर्धारण नहीं किया है, जबकि भाजपा नौ मई को शपथ समारोह की तारीख तय कर चुकी है। कोलकाता के लोकभवन से मिलते संकेत यही हैं कि राज्यपाल ने पुलिस और प्रशासन के मुखिया को हिदायत दी है कि वह नई सरकार के विधिवत गठन के पहले बंगाल में जारी जारी हिंसा को रोकें।

### भाजपा का थलपति विजय पर दांव.. ।

तमिलनाडु में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थलपति विजय की पार्टी टीवीके की राह रोकने के लिए डीएमके और एआईडीएमके के बेमेल गठजोड़ और कांग्रेस के बीच में कूदने के कयासों पर विराम लगाने भाजपा ने बड़ा दांव चल दिया है। उसने अपनी बड़ी सहयोगी एआईडीएमके के नेतृत्व को साफ संकेत दे दिए हैं कि वह डीएमके के साथ पींगें बढ़ाने के बजाए टीवीके को बिना शर्त समर्थन दे। बहुमत आंकड़े से कुछ विधायकों की कमी के चलते सत्ता के सिंहासन से चंद कदम दूर खड़े विजय को भी पता है कि जिन वादों के साथ वह तमिलनाडू में 35 फीसदी वोट के समर्थन के साथ सबसे बड़ी पार्टी के नेता बनकर उभरे हैं, उनको केंद्र की एनडीए सरकार की मदद के बगैर पूरा करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा। भाजपा ने गेंद एआईडीएमके के पाले में डालने के साथ ही थलपति विजय को भी सीधा संकेत और संदेश दे दिया है कि इधर उधर के विकल्पों के बजाए भाजपा के साथ सहयोग का रास्ता अपनाएं। उनके राजनीतिक भविष्य की बुनियाद पर आलीशान महल केंद्र सरकार की मदद से ही खड़ा हो सकेगा। जो टिकाऊ भी होगा और जनता की अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा भी उतरेगा। लब्बोलुआब यही है कि यदि एआईडीएमके अपने सहयोगी भाजपा के मशविरे को नहीं मानती तो जयललिता के निधन के बाद से उसमें लगातार चल रही टूट-फूट का सिलसिला आगे भी बढ़ सकता है। सियासी शतरंज की बिसात पर भाजपा ने अपना मोहरा चल दिया है। उसका फलसफा साफ है-विजय को किसी भी सूरत में कांग्रेस की झोली में जाने से रोकना। वैसे भी विजय का चुनावी अभियान के दौरान टीवीके बनाम डीएमके की बुनियाद कहें या विजय बनाम स्टाालिन की जंग के नारे के साथ ही चला था। पूरे चुनाव अभियान के दौरान भाजपा या एआईडीएमके के खिलाफ उनका रवैया नरम ही रहा। यूं भी कह सकते हैं कि उन्होंने भाजपा और एआईडीएमके को पूरे अभियान के दौरान अपने निशाने पर नहीं लिया। तमाम कयासों और अटकलों के बीच तमिलनाडू में सत्ता के मुखिया को लेकर कुहासा जल्द ही छंट जाएगा। परीक्षा की घड़ी विजय के विवेक की है और एआईडीएमके की दूरदर्शिता की भी।

लखनऊ-बेंगलुरु, समय : शाम 7.30 बजे

## न्यूज विंडो

### यमुना नदी से महिला-बच्ची के मिले शव, चार लापता

**हमीरपुर।** मोबाइल फोन पर नाविक के बात करने से असंतुलित हुई नाव के यमुना नदी में पलटने से नौ लोगों के डूबने के बाद लापता छह लोगों में से बाद एक महिला व नौ वर्षीय बच्ची के शव मिल गए हैं। चार बच्चे अभी तक लापता हैं, जिनमें दो घाटमपुर के रहने वाले सगे भाई थे। दोनों शादी में शामिल होने अपनी रिश्तेदारी में आए थे। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ, फ्लड पीएसी की टीमें बुधवार रात भर यमुना नदी में डूबे लोगों की तलाश करती रहीं। अभी भी तलाश की जा रही है।

### रायपुर में बम बनाने का सामान मिलने से सनसनी

**रायपुर।** रायपुर के रावाभाठा इलाके में आज उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मकान से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली संदिग्ध सामग्री मिलने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही रायपुर नार्थ थाना पुलिस, बम स्क्वॉड और सुरक्षा एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर मकान सहित आसपास के पूरे क्षेत्र को सील कर दिया और लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मकान से तार, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और देसी विस्फोटक तैयार करने में उपयोग होने वाली कुछ संदिग्ध सामग्री मिली है।

### आज का कार्टून

# क्राउन प्रिंस नाराज, सऊदी अरब का अमेरिका को एयरस्पेस देने से इनकार

**इसी के बाद ट्रम्प ने होर्मुज से जहाजों का रेस्क्यू रोका**

**तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी**

अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' शुरू किया था। हालांकि एक दिन बाद ही ट्रम्प ने इसे रोकने का आदेश दिया। तब ट्रम्प ने कहा था कि पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने यह ऑपरेशन रोका है। हालांकि अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब की वजह से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। एनबीसी न्यूज के मुताबिक सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने एयरस्पेस और एयरबेस के इस्तेमाल की इजाजत देने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अचानक सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का ऐलान कर दिया था। इससे खाड़ी के सहयोगी देश चौंक गए। सऊदी लीडरशिप इससे नाराज हो गया। ट्रम्प ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत भी की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। अमेरिका 2 दिन में सिर्फ 3 जहाज पार करा पाया और आखिरकार ट्रम्प को यह ऑपरेशन रोकना पड़ा। इस बीच खबर है कि अमेरिका और ईरान के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता तैयार है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है। पहले कहा जा रहा था कि अगले 48 घंटों में युद्ध समाप्ति की घोषणा हो सकती है लेकिन ईरान ने इसे अफवाह बता दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि समझौते के करीब होने की खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया बताया। उन्होंने कहा कि हमने प्रस्ताव पर जवाब नहीं दिया है, हालांकि पाकिस्तान के जरिए बातचीत जारी है।

उधर ,चीन और ईरान के बीच बीजिंग में हाई-लेवल बैठक हुई। चीन ने युद्ध तुरंत रोकने की बात कही और ईरान को समर्थन का भरोसा दिया। वहीं ईरान चाहता है कि ट्रम्प की चीन यात्रा के दौरान बीजिंग अमेरिका के दबाव में कोई ऐसा फैसला न ले जिससे तेहरान को नुकसान हो। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की नौसेना, वायुसेना, मिसाइल सिस्टम और रडार नेटवर्क को भारी नुकसान हुआ है।

**नगर निगम मुख्यालय के नए भवन का लोकार्पण, एक ही छत के नीचे होंगे सभी काम**

# सीएम बोले... देश-प्रदेश के साथ बदल रहा भोपाल

**भोपाल. दोपहर मेट्रो**

आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज तुलसी नगर ( सेकंड स्टॉप ) पर भोपाल नगर निगम के नएमुख्यालय भवन का उद्घाटन किया। यह अटल भवन के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर सीएम मोहन यादव ने कहा कि भोपाल की क्लीन बिल्डिंग और इससे जुड़ा सोलर प्लांट ऊर्जा का अच्छा संयोजन है। आज उर्जा के साथ ग्रीन एनर्जी का जमाना है। लोकतंत्र के अंदर त्रिस्तरीय व्यवस्था में नगर के बीच सभी प्रबंधन के लिए सुव्यवस्थित की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में एक भवन के अंदर के सब कुछ समाहित किया गया है जो आम जनता की परेशानी कम कराएगा।

उन्होंने कहा कि बदलते दौर में भोपाल के साथ प्रदेश और देश बदल रहा है। हम जन कल्याण के लिए एक के बाद जन कल्याणकारी काम कर रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यह भवन 43 करोड़ से बना है। यहां एक ही छत के नीचे पूरी नगर सरकार होगी। अब तक नागरिकों को अलग-अलग कामों के लिए शहर के कई हिस्सों में जाना पड़ता था। यह प्रदेश की पहली नगरीय निकाय बिल्डिंग है, जो जियोथर्मल तकनीक से लैस है। पार्किंग पर लगे सोलर पैनलों से 300 किलोवाट बिजली बनेगी। नवनिर्मित मुख्यालय का नाम 'अटल भवन' रखा गया है। इसके लोकार्पण के साथ नीमच जिले में भोपाल निगम द्वारा स्थापित 10.5 मेगावॉट सोलर प्रोजेक्ट का भी लोकार्पण किया गया।

# बिहार में शपथ ग्रहण: नीतीश के बेटे समेत 32 मंत्री

**पटना, एजेंसी**

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के 22 दिन बाद आज को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतीश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए। नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13 और एलजेपी से दो मंत्री हैं। एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली । पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। समारोह में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए । कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया और मंच पर उनसे हाथ मिलाया। मंत्रिमंडल में जदयू से 3 नए चेहरे निशांत कुमार, बुलो मंडल और श्वेता गुप्ता हैं।

बीजेपी के नए चेहरों में मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरूण शंकर प्रसाद, नंद किशोर राम और इंजीनियर शैलेंद्र शामिल हैं। सम्राट कैबिनेट में 5 महिला मंत्री हैं जिनमे तीन जदयू से हैं।

**मेट्रो एंकर** | **ADC की भूमिका में उन्हें राष्ट्रपति को रूमाल देते तो कभी बारिश में छाता पकड़े देखा जाता है**

# परछाई की तरह राष्ट्रपति के साथ... सोशल मीडिया पर छाए हैं मेजर ऋषभ

**नईदिल्ली, एजेंसी**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हर समय नजर आने वाले मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल इन दिनों सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। अक्सर सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रपति की मदद करते नजर आने वाले इस आर्मी ऑफिसर की स्मार्ट पर्सनैलिटी और समर्पण लोगों का दिल जीत रही है। वे साए की तरह राष्ट्रपति के साथ दिखते हैं और सोशल मीडिया की सुर्खियां बनते हैं। उन्हें राष्ट्रपति को रूमाल देते, कभी बारिश में उनके लिए छाता पकड़ते और कभी हर कदम पर उनके साथ खड़े देखा जाता है। मेजर सांब्याल को कई सोशल मीडिया यूजर्स रियल लाइफ हीरो तक कहते हैं। लड़कियां तो उनकी बहुत बड़ी फैन हैं और बहुत सी लड़कियों के लिए तो वो उनके पहले क्रश भी हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियोज वायरल हैं।

इनमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के एड-डी-कैम्प (ADC) मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल की खूब चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि राष्ट्रपति मुर्मू भी मेजर ऋषभ सिंह को बेटे की तरह मानती हैं। कई बार मेजर ऋषभ सिंह को राष्ट्रपति मुर्मू को रूमाल देते, बारिश में उनके लिए छाता थामे देखा जाता है। मेजर ऋषभ सिंह सांब्याल जम्मू के डोगरा परिवार से आते हैं। वह पहली बार 2021 में सुर्खियों में आए थे, जब वह जाट रेजिमेंट में कैप्टन के पद पर तैनात थे। उस साल उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया था, जिसे बेस्ट मार्चिंग कंटिंजेंट ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। भारतीय सेना की पैरा स्पेशल फॉर्स दुनिया की सबसे कठिन सैन्य यूनिट्स में गिनी जाती है। इसमें शामिल होने के लिए बेहद कठिन ट्रेनिंग और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है। मेजर सांब्याल ने यह कठिन ट्रेनिंग पूरी की है और उनके पास बलिदान बैज भी है, जिसे भारतीय सेना में बेहद सम्मानजनक माना जाता है।

फिलहाल वह राष्ट्रपति के ADC के रूप में तैनात हैं, जो भारतीय सेना के अधिकारियों के लिए सबसे प्रतिष्ठित जिम्मेदारियों में से एक मानी जाती है। उनका काम राष्ट्रपति, राज्यपाल या वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के निजी सहायक के रूप में होता है। इस भूमिका में अनुशासन, प्रोटोकॉल की गहरी समझ और हर समय सतर्क रहना बेहद जरूरी होता है। ADC के तौर पर मेजर सांब्याल राष्ट्रपति के कार्यक्रमों का मैनेजमेंट करते हैं। राष्ट्रपति की यात्राओं और आधिकारिक आयोजनों का कॉर्डिनेशन भी करते हैं और सुरक्षा व प्रोटोकॉल से जुड़े सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करते हैं। वह राष्ट्रपति और विभिन्न विभागों के बीच संपर्क की कड़ी के रूप में भी काम करते हैं। वह अहम समारोहों में हमेशा मौजूद रहते हैं।

# टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित समर कैंप

भोपाल। शहर के टीटी नगर स्टेडियम आयोजित समर कैंप में बच्चे ले रहे हैं हिस्सा।

### भोपाल एम्स में सर्वर डाउन... गर्मी और भीड़ से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा

## इलाज के लिए भटकती रहीं गर्भवती महिलाएं

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

एम्स भोपाल में बुधवार को तकनीकी खामी के कारण स्त्री रोग विभाग और शिशु रोग ओपीडी का सर्वर डाउन हो गया। इससे सैकड़ों मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर गर्भवती महिलाओं को पर्चा रिन्यू कराने के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा, जबकि छोटे बच्चों को लेकर आए परिजन भी परेशान होते रहे।

### पर्चा रिन्यू नहीं, रुकी जांच

एम्स के स्त्री रोग विभाग में प्रेग्नेंसी से संबंधित जांच के लिए आने वाली महिलाओं को हर विजिट पर ओपीडी पर्चा रिन्यू कराना जरूरी होता है। पर्चा रिन्यू होने के बाद ही डॉक्टर जांच करते हैं। लेकिन बुधवार सुबह सर्वर ठप होने से यह प्रक्रिया रुक गई। इस वजह से दूसरी और तीसरी बार चेकअप के लिए पहुंचीं गर्भवती महिलाओं को मुख्य बाह्य ओपीडी में जाकर दोबारा पर्चा बनवाना पड़ा। यहां पहले से ही लंबी लाइनें लगी थीं, जिससे मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। सर्वर डाउन होने के कारण अस्पताल परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बन गई। गर्मी के बीच गर्भवती महिलाएं लाइन में खड़ी रहीं, जबकि छोटे बच्चों को गोद में लिए परिजन भी परेशान नजर आए। कई मरीजों की समय पर जांच नहीं हो सकी। बैरसिया से आई सात महीने की एक गर्भवती महिला ने बताया कि वह तीसरी बार जांच के लिए आई थीं, लेकिन सर्वर बंद होने के कारण पर्चा रिन्यू नहीं हो पाया। वहीं दो साल के बच्चे को दिखाने आए अजय ने कहा कि सुबह 9 बजे से परेशान हैं और इस तरह की दिक्कत पहले भी हो चुकी है।

### 400 से ज्यादा मरीज पहुंचते हैं

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार स्त्री रोग ओपीडी में प्रतिदिन 220 से 250 मरीज आते हैं। वहीं शिशु रोग ओपीडी में रोज 180 से 200 बच्चों की जांच होती है। दोनों विभागों को मिलाकर रोजाना 400 से अधिक मरीजों का दबाव रहता है। ऐसे में सर्वर डाउन होने से पूरी व्यवस्था प्रभावित हो गई।

### तीन घंटे बाद बहाल हुई सेवा

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण सुबह करीब 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सर्वर बंद रहा। बाद में आईटी टीम ने समस्या ठीक कर सेवाएं बहाल कर दीं। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बाह्य ओपीडी से पर्चे जारी किए गए ताकि इलाज प्रभावित न हो।

एम्स पीआरओ डॉ. केतन मेहरा ने बताया कि अगर सर्वर किसी कारण से डाउन रहता है तो मैन्युअली पर्चा बनवाया जाता है। अगर पर्चा नहीं बनाया गया तो उसकी जांच करवाई जाएगी।

### कम कीमत में प्राइवेट व्यापारी को बेच रहे उपज

## सरकारी मंडियों में धीमी गेहूं खरीद से किसान हो रहे परेशान

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

प्रदेश में गेहूं खरीदी की सरकारी प्रक्रिया धीमी होने से किसान निजी व्यापारियों का रुख कर रहे हैं। भोपाल की करौंद मंडी में व्यवस्थाओं की कमी के चलते सरकारी मंडियों में गेहूं खरीदी की प्रक्रिया धीमी चल रही है।

कई मंडियों में तौल व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं पाई गई, जिससे किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इसके अलावा, खरीदी की सीमा तय होने के कारण सभी किसानों की फसल एक साथ नहीं खरीदी जा रही। ऐसी स्थिति में किसान निजी व्यापारियों का रुख कर रहे हैं। किसानों के अनुसार, निजी व्यापारी तुरंत भुगतान कर रहे हैं, जबकि सरकारी खरीदी में राशि मिलने में देरी हो रही है।

रायसेन से भोपाल करौंद मंडी में अपनी फसल बेचने आए किसान हेमराज ने बताया कि हम प्राइवेट व्यापारियों को ओन-पोने दामों में अपनी फसल बेचने को मजबूर हैं। क्योंकि हमारे रायसेन की सरकारी मंडियों में कई किलोमीटर की लाइनें लगी। वहां गेहूं बेचेंगे तो कई दिन लग जाएंगे। हमें रुपयों की जरूरत है। प्राइवेट मंडियों से हमें तुरंत पैसा मिल जाता है। निजी व्यापारी किसानों से गेंहू 2200 से 2400 तक में प्रति क्विंटल की बोली लगाकर खरीद रहे हैं। जबकि सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य बोनस मिलाकर 2625 तय किया हुआ है। करौंद मंडी में सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं की तुलाई की रफ्तार धीमी पाई गई। बड़ी संख्या में किसान अपनी फसल बेचने के लिए लंबी कतार में खड़े होकर बारी का इंतजार कर रहे थे।

मंडी में तौल व्यवस्था सीमित दिखी। एक ही तौल कांटे पर बारी-बारी से बोरी भरकर गेहूं तौला जा रहा था। किसान सुरेश गौर ने बताया कि हम सुबह से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। आज हमारा नंबर शायद नहीं आ पाएगा। हम कल सरकारी मंडी में अपना गेहूं बेच पाएंगे।

### 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने का टारगेट

सरकार ने पिछले साल करीब 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा था। इस बार यह टारगेट 100 लाख मीट्रिक टन किया है। किसानों की सुविधा के लिए खरीदी के लिए प्रत्येक शनिवार को भी स्लॉट बुकिंग एवं खरीदी का काम जारी रखने की बात कही गई है। अभी तक प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 9.60 लाख किसानों ने 57.75 टन गेहूं के विक्रय के लिए स्लॉट बुक किए जा चुके हैं।

## लघुकथा में कहे से अधिक अनकहे का महत्व- घनश्याम मैथिल

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

लघुकथा में कहे से अधिक अनकहे का महत्व है। लघुकथा का अंत वही जो पाठक का झखझोर दे, एक उथल-पुथल एक चिंतन दे जाए। यह विचार वरिष्ठ लघुकथाकार घनश्याम मैथिल अमृत ने व्यक्त किए। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित साप्ताहिक बुधवारीय लघुकथा गोष्ठी एवं विमर्श के आयोजन में लघुकथाकार वंदना अतुल जोशी के लघुकथा पाठ पर मुख्य समीक्षक वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम के आरंभ में शोध केंद्र निदेशक कांता राय ने स्वागत उद्बोधन देते हुए लघुकथा पाठ के आयोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में लघुकथाकार वंदना अतुल जोशी ने अपनी आज के युवाओं की ऊंची नौकरियों, बड़े वेतन को लेकर बुनी गईं रचना पैकेज, अमीर लोगों द्वारा गरीबों की उपेक्षा पर संवेदना, महिलाओं के प्रति दोयम व्यवहार को दर्शाती संतुष्टि, दहेज के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल फूंकती मजबूत और एक समृद्ध होती शिक्षित बिटिया के कथ्य को लेकर लिखी गईं जवाब लघुकथाओं का पाठ किया। विविध विषयों पर केंद्रित इन समसामयिक लघुकथाओं पर समीक्षक के रूप में अनिल कुमार, नितिन उपाध्याय,अपराजिता शर्मा, भगवती मित्तल,अलका अग्रवाल और डॉ. मिथिलेश अवस्थी ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणियां दी।

## 75 साल के वकील ने बच्ची से की छेड़छाड़

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

अरेरा कॉलोनी में एक बुजुर्ग वकील द्वारा पड़ोसी की पांच साल की बच्ची के प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। बच्ची के पिता डिफेंस ऑफिसर हैं। बच्ची वकील के घर उनके नाती-पोतों के साथ खेलने गई थी। मां की शिकायत पर पुलिस ने वकील के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

## संयुक्त मोर्चे ने कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा का किया स्वागत

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा रमेश चंद्र शर्मा को कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) पद पर नियुक्त किये जाने पर उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि शर्मा को कर्मचारियों की मांगों के संबंध में बृहद जानकारी है और वह पूर्व से ही कर्मचारी हितैषी रहे हैं एवं सभी संगठनों से उनका अच्छा तालमेल है।

आशा वे कर्मचारियों के हित में पूर्व की भांति अपना अमूल्य योगदान देते हुए सरकार एवं संगठनों के मध्य सेतु का काम करते हुए अधिकारियों कर्मचारियों एवं पेंशनरों की मांगों के निराकरण हेतु प्रयास करेंगे। बधाई देने वालों में संयुक्त मोर्चे के संरक्षक डीके यादव, एल एन कैलासिया अजय श्रीवास्तव नीलू, संयोजक एस बी सिंह आदि प्रमुख हैं।

## जोन समिति की बैठक में उठा सफाई व अतिक्रमण का मुद्दा

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

संत हिरदाराम नगर जोन समिति की बैठक हंगामेदार रही। साफ-सफाई, बढ़ते अतिक्रमण और बुनियादी विकास कार्यों को लेकर पार्षदों ने नाराजगी जताई है। जलकार्य विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर लेकर भी पार्षदों ने आपत्ति जताई। बैठक में विकास कार्यों से ज्यादा चर्चा नेतृत्व की अनुशासनहीनता पर हुई।

सदस्यों ने इस बात पर कड़ा ऐतराज जताया कि जब जोन अध्यक्ष ही नियमित रूप से बैठकों में शामिल नहीं होते, तो क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण कैसे होगा। कांग्रेस पार्षद अशोक मारन ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बगैर अध्यक्ष के बैठक का कोई औचित्य नहीं है और वे इस लापरवाही की शिकायत नगर निगम कमिश्नर से करेंगे। अतिक्रमण का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से छाया रहा। सदस्यों ने आरोप लगाया कि नाले-नालियों पर सरेआम अवैध कब्जे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। शिकायत के बावजूद मौके पर कार्रवाई न होने से अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं, जिससे ड्रेनेज व्यवस्था ठप्प हो रही है।

**मानसून से पहले सड़क और सीवेज पर जोर:** बैठक में समिति ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा गया कि पूर्व में स्वीकृत सड़कों के अधूरे कार्यों को बरसात शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूरा करने की मांग की गई। नई सीवेज लाइन के काम में गति लाने के लिए पीएचई विभाग के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। बैठक में एआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारन नए अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया, एएचओ प्रीतेश गर्ग, जेडओ विक्रम झा, इंजीनियरिंग विभाग से प्रफुल गर्ग, पीएई के एई चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर**

### भेल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप उपाध्याय ने दी जानकारी

## राज्य सरकार भेल के अन्ना नगर को खुद करेगी बिजली आपूर्ति

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भेल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने बताया कि अन्ना नगर में हो रही बिजली चोरी का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। हमने राज्य सरकार और बिजली वितरण कंपनी से चर्चा कर कहा कि वे अन्ना नगर को बिजली सप्लाई करें। इस पर सहमति बन गई है। जल्दी ही इस पर अनुबंध करेंगे। इससे भेल को अन्ना नगर की बिजली चोरी से हर साल होने वाले करोड़ों के नुकसान से राहत मिलेगी। वे नर्मदा गेस्ट हाउस में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भेल लगभग डेढ़ दशक से अन्ना नगर में हो रही बिजली चोरी का भुगतान कर रही है। हर साल भेल को बिजली चोरी का लगभग 14 से 15 करोड़ रुपए की भरपाई करनी पड़ती है। हमने कई बार अन्ना नगर में बिजली चोरी पर कार्रवाई की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली है। भेल की जमीन पर यह बस्ती बसी है। हमने बिजली चोरी के भुगतान से राहत पाने के लिए राज्य सरकार और बिजली कंपनी से बातचीत की है। इसका समाधान जल्द निकल आएगा।

ईडी उपाध्याय ने बताया कि भेल भोपाल इकाई ने 2025-26 में बहुत अच्छा टर्नओवर प्राप्त किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में भोपाल यूनिट ने 4647 करोड़ के टर्न ओवर और 581 करोड़ के कर पूर्व लाभ प्राप्त किया है। अब 2026-27 में 4716 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा है। पत्रकारवार्ता में उन्होंने भेल कार्पोरेट और भोपाल इकाई के प्रदर्शन, नए उत्पाद की योजना समेत चालू वित्त वर्ष में लक्ष्य पाने के लिए किए गए कार्यों समेत मिले पुरस्कारों और कस्तुरबा अस्पताल के रिनोवेशन बाद दी गई सुविधाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने निदेशक एसएम रामनाथन के प्रभावी और कुशल नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि यूनिट की इस उपलब्धि का श्रेय उन्हीं को जाता है। उन्होंने कहा कि भेल भोपाल आज जिस मुकाम पर पहुंचा है, उसमें समाज के सभी संवर्गो और विशेषकर मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। पत्रकारवार्ता के दौरान जीएम टीयू सिंह, आर के अग्रवाल एवं एजीएम उपेंद्र कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि टाउनशिप में 24 घंटे सुरक्षा के लिए भेल ने 4 पुलिस कर्मियों के साथ भेल की निजी सुरक्षा एजेंसी के लगभग 200 गार्ड तैनात कर दिए हैं। इससे अपराधों में कमी आई है।

## हार्ट के लिए 15 और लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए 18 लाख तक देने की योजना

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट को नई रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार और एम्स भोपाल ने साझा एक्शन प्लान तैयार किया है। तमिलनाडु की तर्ज पर हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 15 लाख और लंग्स ट्रांसप्लांट के लिए 18 लाख रुपए की सहायता देने की योजना है। साथ ही किडनी ट्रांसप्लांट के लिए आयुष्मान योजना के तहत 1 लाख रुपए का अतिरिक्त टॉप-अप देने पर भी मंथन हुआ।

**ब्रेन-डेड पॉलिसी-** डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल और एम्स डायरेक्टर डॉ. माधवानंद कर की मौजूदगी तय किया एम्स प्रदेश के सभी अस्पतालों के डॉक्टरों को ट्रेनिंग देगा कि ब्रेन डेड की पहचान कैसे की जाए। ताकि, ब्रेन डेड के केस सामने आते ही सूचना ट्रांसप्लांट नेटवर्क तक पहुंच जाए।

**सोटो की मजबूती-** स्टेट ऑर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन को प्रशासनिक रूप से सशक्त करेंगे।

**गांव-गांव पहुंचेगी - डायबिटीज वैन'...** दूर-दराज के गांवों में रहने वाले लोगों को अब शुगर, ब्लड प्रेशर और मुंह के कैंसर की जांच के लिए शहर नहीं आना पड़ेगा। शुरुआती चरण में यह सुविधा सिंगरौली, बालाघाट और अनूपपुर जैसे दूरस्थ जिलों में शुरू होगी।

### बंगाल पर कहा - चुनाव हार जाने के कारण हिंसा पर उतर आना गलत

# मुख्यमंत्री ने सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा को दिखाई हरी झंडी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए को गोली मारने की घटना की निंदा करते हुए आज कहा कि चुनाव में हार-जीत चलती रहती है। केवल चुनाव हार जाने के कारण हिंसा पर उतर आना गलत है। जनता ने इसी वजह से आपको घर बैठाया है। राजनीति में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इसके पहले मुख्यमंत्री ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-एक से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' को रवाना किया। पहली बार आयोजित की जा रही इस यात्रा में 1100 श्रद्धालु जा रहे हैं। संस्कृति विभाग यह गौरवशाली यात्रा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत निकाल रहा है। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वरम शर्मा, भगवान दास सबनानी, भाजपा प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी भी शामिल थे।

उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर देश के दुश्मनों को यह संदेश देना चाहते हैं कि भारत की ओर कोई भी विदेशी ताकत बुरी नजर डालेगी, तो उसे करारा जवाब मिलेगा। यह नया भारत है, जो अपने दुश्मनों से निपटना अच्छी तरह जानता है। हाल ही में हुए हमले का भी देश ने मजबूती से जवाब दिया है।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या का जिक्र करते हुए कहा कि देवलोक बनने से बदल जाती है अर्थव्यवस्था। उन्होंने कहा 2022 से पहले उज्जैन में रोजाना सिर्फ 25 से 30 हजार श्रद्धालु आते थे, लेकिन अब प्रतिदिन डेढ़ लाख से ज्यादा लोग बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सोमनाथ मंदिर पर इतिहास में 17 बार आक्रमण हुए, लेकिन आज भी हजार साल बाद सोमनाथ मंदिर पूरी भव्यता के साथ खड़ा है और आस्था का प्रतीक बना हुआ है।

### 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' की ट्रेन

उन्होंने आगे कहा कि मध्यप्रदेश सरकार निरंतर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हमने राज्य में हेली सेवा प्रारंभ की, जिससे धार्मिक स्थलों तक पहुंच और अधिक सरल हुई है। इसी क्रम में अब रेलवे के माध्यम से 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा 2026' की शुरुआत की गई है। हमारी सरकार सनातन संस्कृति के संरक्षण और उत्थान के लिए योजनाबद्ध तरीके से लगातार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी भगवान सोमनाथ का आशीर्वाद लेने जा रहे हैं। आज दुनिया अलग दौर में पहुंच चुकी है, लेकिन भारतीय संस्कृति हमेशा 'जियो और जीने दो' का संदेश देती है। यह पूरी मानवता के कल्याण की संस्कृति है। महादेव के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और वैभव बना रहे। उन्होंने यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान भगवान की भक्ति का पूरा आनंद लें और सत्संग में भी हिस्सा लें।

**यह पहली यात्रा :** प्रदेश से पहली बार निकलने वाली इस विशेष यात्रा में विभिन्न अंचलों से 1100 श्रद्धालुओं का दल शामिल हैं। यह ट्रेन भोपाल और उज्जैन रेलवे स्टेशनों से भी तीर्थयात्रियों को अपने साथ लेकर सोमनाथ जा रही है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सोमनाथ की पावन धरा पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दर्शन और आध्यात्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करेंगे।

### बिना वर्दी के ट्रैफिक संभाल रहे हजारों इंदौरी

## जन आंदोलन का रूप ले रहा 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान

**इंदौर , दोपहर मेट्रो**

इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा संचालित किया जा रहा विशेष 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस मुहिम से अब तक शहर के कुल 3620 जागरूक नागरिक जुड़ चुके हैं। ये स्वयंसेवक शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में तैनात होकर यातायात पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर व्यवस्था संभालने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

### पुलिस कमिश्नर ने की जागरूक नागरिकों की सराहना

इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने अभियान की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बड़ी संख्या में इस पहल का हिस्सा बन रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा इन नागरिकों के उत्साहवर्धन हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को बेहतर यातायात प्रबंधन में सराहनीय कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस प्रशासन का मानना है कि जनता की भागीदारी से ही यातायात के नियमों का पालन अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सकता है।

### सहभागिता बढ़ाने के लिए लिया तकनीक का सहारा

पुलिस कमिश्नर ने आमजन को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि इस मुहिम का प्राथमिक उद्देश्य नागरिकों को यातायात प्रबंधन और नियमों के पालन की प्रक्रिया में सीधे तौर पर सहभागी बनाना है। अभियान का हिस्सा बनने की प्रक्रिया को भी बेहद सरल रखा गया है। इच्छुक व्यक्ति पुलिस द्वारा जारी किए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके गूगल फॉर्म भर सकते हैं। इसमें नागरिक अपनी सुविधानुसार समय और स्थान का चयन कर सकते हैं, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या प्रभावित न हो और वे ट्रैफिक प्रहरी के रूप में अपनी सेवाएं भी दे सकें।

### पीक आवर्स की चुनौतियों से निपटने की तैयारी

यातायात विभाग के अनुसार, शहर में सुबह 10 से 11 बजे और शाम 6 से 7 बजे के दौरान ट्रैफिक का दबाव अपने चरम पर होता है। इन पीक आवर्स में सीमित पुलिस बल के लिए हर मोड़ पर स्थिति को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी समस्या के समाधान हेतु नागरिकों को जोड़ा जा रहा है, ताकि वे अपने घर या कार्यस्थल के आसपास के क्षेत्रों में यातायात संभालने में मदद कर सकें। ट्रैफिक प्रहरी न केवल पुलिस की सहायता कर रहे हैं, बल्कि आम जनता के बीच यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

### भोपाल में चयनित शिक्षक-अभ्यर्थियों का बड़ा प्रदर्शन

# 9 माह से अटकी नियुक्ति पर फूटा गुस्सा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी अब सड़कों पर विरोध के रूप में नजर आने लगी है। माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों ने बुधवार को भोपाल स्थित लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के बाहर प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई। लंबे समय से नियुक्ति आदेश जारी न होने से आक्रोशित अभ्यर्थियों ने साफ कहा कि यदि जल्द प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। करीब 10,700 अभ्यर्थियों की चयन सूची जारी हुए लगभग 9 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक न नियुक्ति आदेश जारी हुए हैं और न ही चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो सकी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया कई चरणों से गुजरने के बाद इस स्थिति में पहुंची है, लेकिन अंतिम चरण पर आकर पूरी प्रक्रिया ठहर गई है। भर्ती की शुरुआत वर्ष 2022 में हुई थी। इसके बाद 2023 में पात्रता परीक्षा आयोजित हुई, अप्रैल 2025 में चयन परीक्षा ली गई और सितंबर 2025 में परिणाम घोषित कर चयन सूची जारी कर दी गई। इसके बावजूद अब तक जॉइनिंग की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

### नियमों की अनदेखी का आरोप

अभ्यर्थियों ने विभाग पर नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि परीक्षा संचालन नियम पुस्तिका के अनुसार चयन सूची जारी होने के तीन माह के भीतर नियुक्ति आदेश जारी करना अनिवार्य होता है, लेकिन यहां 8 से 9 महीने बीत जाने के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है। चयनित उम्मीदवारों का यह भी कहना है कि अब तक पात्र-अपात्र सूची जारी नहीं हुई और न ही चॉइस फिलिंग कराई गई। कई बार विभागीय अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिला है।

**शिक्षकों की कमी के बीच भर्ती अटकी:** प्रदेश में शिक्षकों की भारी कमी के बावजूद भर्ती प्रक्रिया का अटका रहना भी सवाल खड़े कर रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, करीब 1,895 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी शिक्षक नहीं है, जबकि 29 हजार से ज्यादा स्कूलों में लगभग एक लाख शिक्षकों के पद खाली हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर है, जहां बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों का कहना है कि जब स्कूलों में शिक्षकों की इतनी जरूरत है, तो नियुक्ति में देरी समझ से परे है।

### बार-बार आश्वासन, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं

अभ्यर्थियों का कहना है कि नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 तक कई बार भोपाल आकर अधिकारियों से मुलाकात की गई। हर बार जल्द प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया गया। मार्च और अप्रैल तक चॉइस फिलिंग और जॉइनिंग की बात कही गई थी, लेकिन समय बीतने के बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि अब और इंतजार संभव नहीं है और सरकार को जल्द निर्णय लेना होगा।

### लंबा इंतजार बना आर्थिक और मानसिक बोझ

अभ्यर्थियों ने बताया कि वर्षों से चल रही भर्ती प्रक्रिया ने उनके जीवन पर गहरा असर डाला है। कई उम्मीदवार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और नौकरी की उम्मीद में लगातार संघर्ष कर रहे हैं। कुछ अभ्यर्थी कोचिंग पढ़ाकर या छोटे-मोटे काम करके गुजारा कर रहे हैं, जबकि कई परिवार ऐसे भी हैं जिन पर आर्थिक संकट गहरा गया है। लंबे इंतजार ने युवाओं के व्यक्तिगत जीवन, शादी और भविष्य की योजनाओं पर भी असर डाला है।

### स्वयं के व्यय पर दी डिजिटल सुविधा

## विद्युत कंपनी के कर्मचारी अब घर बैठे कर सकेंगे ऑनलाइन ट्रांसफर के लिए आवेदन

### कर्मचारी स्वयं के व्यय पर स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे

### पोर्टल पर 'एम्प्लाई ट्रांसफर माड्यूल' के माध्यम से 19 तक आवेदन का मौका

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने कर्मचारियों को बड़ी डिजिटल सौगात दी है। अब स्थानांतरण की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और पेपरलेस बनाते हुए कंपनी ने 'एम्प्लाई ट्रांसफर माड्यूल' लॉन्च किया है।

### प्रमुख जानकारी

**अंतिम तिथि:** आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 मई निर्धारित की गई है।
**पात्रता:** ऐसे कर्मचारी जिनका वर्तमान पदस्थापना स्थान पर 1 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका है।
**आवेदन का आधार:** व्यक्तिगत कारण, गंभीर बीमारी, पति-पत्नी का अन्य शासकीय सेवा में होना या आपसी स्थानांतरण के आधार पर आवेदन किए जा सकेंगे।

हालांकि, जिन कर्मचारियों की एक ही स्थान पर पदस्थापना अवधि एक वर्ष से कम है, उनके आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन व प्रशासन) राकेश शर्मा ने बताया कि इस नई व्यवस्था से कर्मचारियों को सुविधा और पारदर्शिता दोनों मिलेगी। आनलाइन आवेदन में दिए गए विकल्पों के आधार पर कर्मचारी अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे।

### स्वास्थ्य विभाग की म्यूजिकल चेयर

## सीएमएचओ की कुर्सी पर उलझे दो डॉक्टर, स्टाफ परेशान- किसे कहें बॉस?

**रायसेन, दोपहर मेट्रो**

रायसेन जिले के स्वास्थ्य महकमे में इन दिनों सबसे बड़ी कुर्सी को लेकर अजीब स्थिति बनी हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के एक ही पद पर दो वरिष्ठ डॉक्टर अपना दावा जता रहे हैं, जिससे पूरे विभाग में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। कई महीनों से चल रहा यह विवाद मंगलवार को उस समय और बढ़ गया, जब कमिश्नर के निर्देश पर डॉ. एचएन मांडरे कार्यभार संभालने सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे, लेकिन चैंबर पर ताला लटका मिला। डॉ. एचएन मांडरे सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। सीएमएचओ का चैंबर बंद था और उस पर ताला लगा हुआ था। बताया गया कि उस समय पूर्व से पदस्थ डॉ. दिनेश खत्री कलेक्ट्रेट में आयोजित एक बैठक में शामिल थे।

**स्टाफ में असमंजस, किसे मानें 'साहब'?:** एक ही पद के लिए दो अधिकारियों के आमने-सामने आने से कार्यालय के कर्मचारियों में भी भ्रम की स्थिति बन गई है। स्टाफ समझ नहीं पा रहा है कि किसे 'साहब' माना जाए और किसके आदेशों का पालन किया जाए। इससे कामकाज भी प्रभावित हो रहा है।

**कमिश्नर के निर्देश से बढ़ा नया विवाद:** ताजा विवाद तब शुरू हुआ जब डॉ. एचएन मांडरे का कहना है कि कमिश्नर के निर्देश पर वे मंगलवार को कार्यभार ग्रहण करने पहुंचे थे। उन्हें उम्मीद थी कि आदेश के बाद उन्हें पद मिल जाएगा, लेकिन चैंबर पर ताला देखकर उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया।

### हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला

डॉ. खत्री की दोबारा पदस्थापना से नाराज डॉ. मांडरे ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट से स्टे मिलने के बाद डॉ. मांडरे ने फिर से सीएमएचओ का पद संभाल लिया। इसके बाद मार्च 2026 में कोर्ट ने डॉ. दिनेश खत्री के पक्ष में फैसला सुनाया। तब से डॉ. खत्री सीएमएचओ का कार्यभार संभाल रहे हैं और नियमित रूप से कार्यालय में काम कर रहे हैं।

**मेट्रो एंकर**

### राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने रणनीति बनाकर सतर्कता बढ़ाई

## राज्यसभा चुनाव को लेकर सतर्क जीतू पटवारी, MLA के संपर्क में रहेंगे वरिष्ठ नेता; कमल नाथ, दिग्विजय सिंह संग की बैठक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संभावित जोखिम को देखते हुए पूरी रणनीति के साथ तैयारी शुरू कर दी है। 21 जून 2026 को राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं, जिनके लिए चुनाव मई के अंतिम सप्ताह में घोषित होने की संभावना है। विधानसभा की मौजूदा स्थिति के अनुसार दो सीटें भाजपा के खाते में जाना तय माना जा रहा है, जबकि एक सीट कांग्रेस को मिल सकती है।

हालांकि, यदि भारतीय जनता पार्टी तीसरा प्रत्याशी उतारती है, तो कांग्रेस के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने अपने विधायकों को एकजुट रखने और किसी भी तरह की क्रॉस वोटिंग से बचने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है।

### वरिष्ठ नेताओं ने बनाई रणनीति

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में हुई बैठक में कमल नाथ, दिग्विजय सिंह, हरीश चौधरी और जीतू पटवारी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर

विस्तार से चर्चा की। बैठक में यह तय किया गया कि सभी वरिष्ठ नेता विधायकों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखेंगे और नियमित संवाद के जरिए उन्हें एकजुट रखा जाएगा।

### विधायकों की संख्या बनी चिंता का कारण

230 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास वर्तमान में 64 विधायक थे, लेकिन कुछ परिस्थितियों के चलते प्रभावी संख्या घटकर लगभग 62 रह गई है। इनमें एक विधायक की सदस्यता समाप्त हो चुकी है, एक के मतदान पर रोक है और एक अन्य पर दलबदल का मामला चल रहा है। ऐसे में पार्टी के पास जरूरी संख्या से केवल चार विधायक अधिक हैं।

### क्रॉस वोटिंग का खतरा

पार्टी को आशंका है कि अन्य राज्यों की तरह यहां भी क्रॉस वोटिंग या अनुपस्थिति की स्थिति बन सकती है। हाल ही में बिहार और हरियाणा के राज्यसभा चुनावों में इस तरह के उदाहरण सामने आ चुके हैं, जिससे कांग्रेस अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है।

### भोपाल में होगी अहम बैठक

चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद कांग्रेस सभी विधायकों को भोपाल बुलाकर उन्हें मतदान प्रक्रिया की जानकारी देगी। पार्टी का प्रयास है कि किसी भी प्रकार की चूक न हो और एकमात्र सीट सुरक्षित रूप से जीत ली जाए।

# सुरक्षा पर राजनीति नहीं

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड्यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा।

यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा। वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें। इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है। ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं। जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए।

# व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण में संलग्न राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे

इंदुशेखर तत्पुरुष
स्तंभकार

कल कार्ल मार्क्स का जन्मदिवस था और इधर भारत में उनसे प्रेरित राजनैतिक दल का बोरिया-बिस्तर एकमात्र बचे हुए प्रांत से भी उठ गया। दूसरी ओर भारत के सभी राजनैतिक दल (भाजपा को छोड़कर) जिस सामाजिक संगठन आरएसएस का विरोध करते रहे हैं, या कभी न कभी उसके विरुद्ध खड़े हुए, वह आज देशभर में अपना जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है। उसकी प्रेरणा से राजनीति में खड़े हुए दल भाजपा ने देश के कोने-कोने में अपनी पैठ बनाई है। बंगाल विजय तो कल का ही उदाहरण है। वस्तुतः इसकी वास्तविकता को जानने के लिए हमें एक सदी पूर्व के भारत में जाना होगा।

सन् 1925 में भारत में दो संगठनों की नींव रखी गई। एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसका आरम्भ एक मेडिकल शिक्षा प्राप्त किये युवक ने नागपुर में 15-20 स्थानीय साथियों को लेकर किया। दूसरा संगठन संसारभर में विख्यात हो चुकी कम्युनिस्ट पार्टी का था, जिसका गठन कानपुर में देश के विभिन्न प्रांतों से एकत्र हुए सैकड़ों प्रबुद्ध लोगों ने किया। पार्टी के प्रेरणापुंज कार्ल मार्क्स की गणना विश्व के महानतम विचारकों में होती थी। सन् 1917 की रूस की क्रांति की कीर्ति के कारण कम्यूनिस्ट पार्टी आरंभ में ही देशभर में चर्चित हो गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद तो रूस, चीन जैसी अंतरराष्ट्रीय महाशक्तियों का समर्थन भी उन्हें मिलने लगा था। देश के सभी प्रमुख संस्थानों पर साम्यवाद और समाजवाद की गहरी छाप थी। जबकि संघ को आरंभिक वर्षों में नागपुर से बाहर कोई नहीं जानता था। देश स्वाधीन होते ही उस पर न केवल प्रतिबंध लगा, सरकारों द्वारा संघ के कार्यकर्ताओं को निराधार लांछित और प्रताड़ित भी किया गया। आगे फिर प्रतिबंध लगाया गया। सबकी उपेक्षा, उपहास और तिरस्कार झेलते हुए भी संघ चुपचाप अपना कार्य करता रहा।

आज एक शताब्दी बाद हम देखते हैं कि सारी दुनिया को बदलने का दावा करने वाले, देश में क्रांति करके सत्ता प्राप्ति का स्वप्न देखने वाले कम्युनिस्ट एक कोने में सिमटकर रह गए। जबकि आज देश का ऐसा कोई कोना नहीं, जहां संघ का वर्चस्व नहीं, संघ की उपस्थिति नहीं। विचारणीय प्रश्न है कि यह जमीन-आसमान का अंतर कैसे संभव हुआ? संघ के निरंतर उत्कर्ष और उसके समान्तर कम्युनिज्म के निरंतर अपकर्ष के मूलभूत कारण क्या रहे? इस पर गहरा मंथन करना चाहिए।

वास्तव में किसी भी संगठन की ऐसी असाधारण उपलब्धि कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ कर्मनिष्ठा, समर्पण और त्याग के बिना संभव नहीं। यह सभागारों और विश्वविद्यालयों में बैठकर सिद्धांत बघारने से नहीं समाज में प्रत्यक्ष काम करने से हासिल होती है। कोरी बौद्धिकता झाड़ने से वैचारिक हलचल तो हो सकती है, किन्तु व्यक्ति का मन नहीं जुड़ता। वह जुड़ता है उनके बीच जाकर प्रत्यक्ष कार्य करने से, प्रेमपूर्ण व्यवहार से। व्यक्तियों के संगठन आंदोलकारी नारों से नहीं, नियमित संपर्क और सेवा कार्यों से निर्मित होते हैं।

मत भूलिए कि संघ ही एकमात्र ऐसा संगठन है जहाँ हजारों उच्च शिक्षा प्राप्त नवयुवक अपने सुखमय जीवन को ठोकर मारकर संघ के प्रचारक बन गए। आजीवन अविवाहित रहने का भीष्म संकल्प उन्होंने इसलिए लिया कि उनके जीवन का एकमात्र ध्येय संघ कार्य करना था। लाखों गृहस्थ प्रतिदिन कुछ न कुछ समय संगठन के लिए निकालते हैं।

इसलिए संघ सैद्धांतिक तर्क-वितर्क एवं शास्त्रार्थ के पचड़े में नहीं पड़ा। बनावटी बौद्धिक वातावरण बनाने में शक्ति खर्च नहीं करता। दिखावटी प्रचार के फंदे में नहीं फँसता। उसका स्पष्ट ध्येय है व्यक्ति को संस्कारित करना, समाज में सज्जनों की संगठित शक्ति खड़ा करना और समाज के बीच में प्रत्यक्ष उपस्थित होकर क्षमता अनुसार कार्य करना। उसके असधारण कार्यविस्तार एवं व्यापक जनस्वीकृति का यही एकमात्र आधार था।

इतिहास साक्षी है कि जिन्होंने तथाकथित वैचारिक क्रांतिकारी पैदा किए वे आपस में ही मार-काट में लग गए। सत्ता प्रतिस्पर्धा में पड़ गए। स्वयं को प्रतिष्ठापित करने में ही उनकी शक्ति चुक गई। किन्तु संघ ने व्यक्ति निर्माण की पाठशालाएं चलाई। व्यक्तियों को गढ़ने और जोड़ने की वे छोटी-छोटी पाठशालाएं आज विश्व का व्यक्ति निर्माण का सबसे बड़ा विश्विद्यालय बन गया।

ध्यान रखिए संघ हिन्दू संगठन है किन्तु संघ का कार्य केवल हिंदुओं के लिए नहीं संपूर्ण समाज के अभ्युदय के लिए है। समाज का अभ्युदय राष्ट्र के अभ्युदय के लिए है। और राष्ट्र का अभ्युदय केवल भारतवर्ष के लिए नहीं संपूर्ण विश्व के अभ्युदय के लिए है। पर यह तभी दिखाई देगा जब आप अपना राजनैतिक चश्मा उतारकर देखेंगे। भाजपा के चश्मे से देखेंगे तो भी नहीं दिखेगा। अपने व्यक्तिगत अथवा समूहगत लाभ-लोभ से ऊपर उठकर देखेंगे तभी दिखेगा।

भाजपा की बंगाल विजय के प्रत्यक्ष पचास कारण गिनाए जा सकते हैं। निस्संदेह भारतीय जनता पार्टी ने प्राणांतक संघर्ष किया हैं, सैकड़ों राजनैतिक कार्यकर्ताओं ने बलिदान किया है, लाखों लोगों का पसीना बहा है। किन्तु इस विराट परिवर्तन के पीछे संघ के स्वयंसेवकों की सतत साधना को मत भूलिए। आज स्वतंत्रता प्राप्ति के आठ दशक बाद पहली बार बंगाल में भगवा लहराया है, तो निश्चित मानिये कल केरल और तमिलनाडु की बारी है। क्योंकि संघकार्य राजनीति प्रेरित तात्कालिक कार्य नहीं राष्ट्रनीति प्रेरित अनवरत चलने वाला कार्य है, जिसका लक्ष्य सत्ता प्राप्ति नहीं व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# स्वदेशी शक्ति से वैश्विक होता भारत का रक्षा क्षेत्र, अहम है डीआरडीओ का योगदान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत का रक्षा क्षेत्र आज वहां आ पहुंचा है, जहां तकनीक, अनुसंधान और स्वदेशी क्षमताएं राष्ट्रीय शक्ति का नया आधार बनती जा रही हैं। हाल के वर्षों में सरकार ने रक्षा अनुसंधान को नीति के केंद्र में स्थापित किया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था अधिक सशक्त, आधुनिक और आत्मनिर्भर बन रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा व्यक्त विचार इस दिशा में स्पष्ट संकेत देते हैं कि आने वाला समय तकनीकी श्रेष्ठता का होगा और भारत इस दौड़ में पीछे रहने वाला देश नहीं है।

वस्तुतः आज केंद्र सरकार द्वारा रक्षा अनुसंधान एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना एक दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा अब तक 2,200 से अधिक तकनीकों का उद्योगों को हस्तांतरण इस बात का प्रमाण है कि देश में शोध और उत्पादन के बीच मजबूत पुल तैयार हो चुका है। इस प्रक्रिया ने रक्षा उत्पादन को गति दी है और निजी क्षेत्र को भी नए अवसर प्रदान किए हैं। अनुसंधान पर निरंतर ध्यान बनाए रखना भविष्य के युद्धों में बढ़त दिलाने वाला कारक बन सकता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों, अकादमिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के लिए निर्धारित किया जाना एक क्रांतिकारी पहल है। इन संस्थाओं द्वारा 4,500 करोड़ रुपए से अधिक का उपयोग यह दर्शाता है कि देश में नवाचार की ऊर्जा तेजी से बढ़ रही है। इससे एक ओर जहां नई तकनीकों का विकास संभव हुआ है, वहीं युवाओं को भी रक्षा क्षेत्र में योगदान देने का अवसर मिला है।

नई टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नीति के तहत शुल्क समाप्त करना उद्योगों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन साबित हुआ है। इससे विकास और उत्पादन में साझेदारी को बढ़ावा मिला है। साथ ही पेटेंट्स को मुफ्त उपलब्ध कराने की नीति ने तकनीकी विकास को नई गति दी है। परीक्षण सुविधाओं को उद्योगों के लिए खोलना भी सहयोगात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यही कारण है कि भारत अब डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, हाइपरसोनिक हथियार, क्वांटम तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये तकनीकें भविष्य के युद्धों की दिशा तय करेंगी। इन क्षेत्रों में निवेश और अनुसंधान भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं। हमने पिछले साल देखा भी है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में स्वदेशी तकनीकों का सफल उपयोग देश की बढ़ती सैन्य क्षमता को दर्शाता है। आकाशतीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियां इस बात का प्रमाण हैं कि भारत अब आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

इसके साथ ही कहना होगा कि भारत के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा उत्पादन का 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। रक्षा निर्यात का 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। पिछले एक दशक में 174 प्रतिशत की वृद्धि और निर्यात में कई गुना विस्तार देश की बदलती पहचान को दर्शाता है। जिसमें कि रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र का लगभग 15,000 करोड़ रुपए का योगदान इस क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दर्शा रहा है। अब रक्षा निर्माण सरकारी संस्थानों की पहुंच से आगे उद्योगों और स्टार्टअप्स की सक्रियता में एक व्यापक इकोसिस्टम बन चुका है।

स्वभाविक तौर पर इससे नवाचार और प्रतिस्पर्धा दोनों को बढ़ावा मिला है।आज इनोवेशंस फॉर डिफेंस एक्सीलेंस, एडीआईटीआई और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड जैसी योजनाएं रक्षा क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार कर रही हैं। इन पहलों ने युवाओं और उद्यमियों को रक्षा तकनीकों के विकास में भाग लेने का अवसर दिया है। इससे देश में नवाचार की संस्कृति मजबूत हो रही है। ऐसे में यह भी ध्यान में आता है कि भारत का लक्ष्य अब तकनीकी संप्रभुता हासिल करना है, जिसमें महत्वपूर्ण तकनीकों का विकास, स्वामित्व और संरक्षण देश के भीतर ही हो। क्वांटम-सिक्योर कम्युनिकेशन जैसी उपलब्धियां इस दिशा में बड़ी प्रगति को दर्शाती हैं। यह क्षमता भविष्य के युद्धों में निर्णायक साबित हो सकती है। बजट 2026-27 में रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपए का आवंटन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है, जोकि रक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी।

अतः हम सभी के लिए आज गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की रक्षा यात्रा एक ऐसे मुकाम पर पहुंच चुकी है, जहां आत्मनिर्भरता, तकनीकी श्रेष्ठता और वैश्विक पहचान एक साथ आकार ले रही हैं। यह परिवर्तन हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह तो हम सभी जानते हैं कि देश का रक्षा क्षेत्र सुरक्षा का प्रतीक है, किंतु कहना होगा कि इस दिशा में हो रहे नवाचार आज शक्ति और आत्मविश्वास का भी प्रतिनिधित्व करते हुए दिखाई देते हैं, जोकि हर भारतीय को आशा और उत्साह से भर रहे हैं।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

## हेल्थ टिप्स

# कुछ देसी फूड को करें डाइट में शामिल, 40 के बाद भी हेल्दी रह सकेंगी हड्डियां

**मनुष्य** के शरीर में मौजूद हड्डियां आमतौर पर 30 या 40 की उम्र से कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। अक्सर देखा जाता है कि जब तक फ्रैक्चर या डेक्सा स्कैन नहीं होता, तब तक इस समस्या का पता नहीं चल पाता। हालांकि, डॉक्टर हमेशा अपने मरीजों को यही सलाह देते हैं कि अगर वो अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल कर लें, जो कैल्शियम, विटामिन-डी, फोस्फोरस, पोटैशियम, जिंक जैसे मिनरल्स शरीर को दे सकें, तो हड्डियां उम्र के साथ भी मजबूत बनाए रखने में काफी मदद मिलेगी।

हड्डियां जिंदा टिशूज से बनी होती हैं। टिशू लगातार टूटकर दोबारा से बनती रहती हैं। हालांकि, ये जब बनने से ज्यादा टूटने लगें तो ऑस्टियोपेनिया हो जाता है। ये वो स्थिति होती है, जिसके बढ़ने पर ऑस्टियोपोरोसिस हो जाता है। यानी वो रोग जिसमें हड्डियां भुरभुरी और खोखली हो जाती हैं, और उनका टूटना आम हो जाता है। यही वजह है कि शरीर में रोज बोन फ्रेंडली न्यूट्रिएंट्स एंड मिनरल्स जाना जरूरी है।

बोन फ्रेंडली न्यूट्रिएंट्स में कैल्शियम, विटामिन-डी, फोस्फोरस, मैग्नीशियम, पोटैशियम , जिंक, आयरन, कॉपर और विटामिन-के शामिल हैं।

इन न्यूट्रिएंट्स को पाने के लिए डाइट में दूध, दही, छाछ, लस्सी, रागी, तिल, अलसी के बीज, बादाम, अखरोट, अंडे का पीला भाग, ऑयली फिश, फोर्टिफाइड दूध, दाल, पनीर, पालक, मेथी, चौलाई, अमरंथ, आंवला, संतरा, अमरूद, पपीता, नींबू, ज्वार, बाजरा, ओट्स, नट्स, राजमा, चना, स्प्राउट, सोया, टमाटर और सीड्स आदि को शामिल करें। इसके अलावा रोज 15 से 30 मिनट की धूप लें। जिसमें हाथ-पैर पर सन लाइट अच्छे से पड़े।

**थाली हो कलरफुल:** रोजाना 2 से 3 कप सब्जियां खाएं, इसमें कम से कम एक कप पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, चौलाई, अमरंथ शामिल हों। इसके साथ 1-2 फल रोजाना खाएं। आंवला, संतरा, अमरूद, पपीता और नींबू बेस्ट चॉइस हैं, क्योंकि ये विटामिन-सी और पोटैशियम से भरपूर होते हैं। इन्हें लेने पर शरीर को आयरन और जिंक को एब्जॉर्ब करने में मदद मिलती है। समय-समय पर खासतौर पर 30 के बाद बोन डेंसिटी से जुड़ी जांचें कराते रहना भी काफी अहम है, ताकि स्थिति को गंभीर होने से पहले ही रोका जा सके।

## सुविचार

बुराई तो छोटी सोच वाला इंसान ही करता है, बड़ी सोच वाले तो माफ करते हैं। -अज्ञात

## निशाना

# काहे का बाप...!

रामकिशोर नाविक

कुछ भी ना बोले तो काहे का बाप
हृदय ना टटोले तो काहे का बाप
अपनी संतानों से भेद भाव करके
कम ज्यादा तौले तो काहे का बाप
घर भर को तरसाये और स्वयं मेवा
अकेला बगोले तो काहे का बाप
अपनी औलादों पर कुत्ते सा भौके
ग़ैर के पपोले तो काहे का बाप
बे-मतलब बे-मौक़े टर्र टर्र करके
रस में विष घोले तो काहे का बाप

## सेफ्टी फर्स्ट

# फ्लाइट में पॉवर बैंक ले जाते समय सावधानी जरूरी, हो सकता है ब्लास्ट का खतरा

**इवैक्युएशन** करना पड़ा। इस घटना में कुछ यात्रियों के घायल होने की भी बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर फ्लाइट से यात्रा कर रहे हैं, तो पावरबैंक के साथ क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए? दरअसल फ्लाइट में पावरबैंक के इस्तेमाल पर पहले ही रोक है, बावजूद इसके बिना इस्तेमाल हुए भी पावरबैंक के साथ कभी भी ब्लास्ट होने का खतरा बना रहता है।

**सही जगह रखें पावरबैंक:** फ्लाइट्स में पावरबैंक को चेक-इन लगेज में भेजने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में लोग पावरबैंक इन-हैंड लगेज जैसे कि बैग या मिनी ट्रॉली आदि में ओवरहेड कंपार्टमेंट में रख देते हैं। हालांकि पावरबैंक को आपको ऐसी जगह रखना चाहिए, जिसे किसी अनहोनी की स्थिति में आसानी से एक्सेस किया जा सके। ऐसे में पावरबैंक को ओवरहेड कैबिन में रखने की जगह सामने सीट के नीचे मौजूद किसी बैग में रखना चाहिए।

**कम लेवल पर रखें चार्जिंग:** फ्लाइट में पावरबैंक को 25% से कम पर चार्ज करके चलें। इतनी पावर के साथ आप फ्लाइट से उतरने के बाद भी फोन को ठीक-ठाक चार्ज कर सकते हैं और इस लेवल की चार्जिंग के साथ फ्लाइट के दौरान पावरबैंक ज्यादा सुरक्षित भी रहते हैं। फ्लाइट में 20000 से 25000 mah तक के पावर बैक साथ लेकर ट्रैवल करने की इजाजत होती है। हालांकि सुरक्षा के लिहाज से आप जितनी कम क्षमता का पावरबैंक साथ लेकर चलें, उतना बेहतर होगा। 5000 से 10000 mAh के पावरबैंक फ्लाइट के दौरान ज्यादा सुरक्षित साबित हो सकते हैं।

**एयरपोर्ट या फ्लाइट में करें चार्जिंग:** पावरबैंक के साथ फ्लाइट में ट्रैवल करने का एक स्मार्ट तरीका यह हो सकता है कि आप एयरपोर्ट पर अपने फोन या अन्य डिवाइस फुल चार्ज कर लें। अगर फ्लाइट में सफर लंबा होने वाला है, तो साथ में चार्जिंग केबल लेकर चलें और फ्लाइट में मौजूद चार्जिंग के ऑप्शन इस्तेमाल करें। इससे अगर पावरबैंक में चार्जिंग का लेवल कम रखने से आपको कोई समस्या नहीं होगी। अक्सर देखा गया है कि लोग अपने पावरबैंक फूलने पर भी इस्तेमाल करते रहते हैं। इस तरह के पावरबैंक साधारण तौर पर इस्तेमाल करना भी खतरनाक हो सकता है ऐसे में इन्हें फ्लाइट में ले जाने की भूल कभी भी ना करें। हमेशा ऐसे पावरबैंक साथ लेकर चलें, जो पूरी तरह से फिट हों। फूली हुई बैटरी वाले पावरबैंक में ब्लास्ट होने का खतरा बना रहता है।

**पावरबैंक में केबल लगी न छोड़ें:** पावरबैंक में कोई केबल लगी न छोड़ें। दरअसल पावरबैंक में केबल लगे होने पर उसका सर्किट ऑन रहता है। ऐसे में एक तरह से आपका पावरबैंक एक्टिव रहता है। फ्लाइट में पावरबैंक में किसी तरह की केबल को लगा न छोड़ें। हमेशा अच्छे ब्रैंड का पावरबैंक इस्तेमाल करें।

## तीर्थ यात्रा

# तुंगनाथ है विश्व का सबसे ऊंचा शिव मंदिर प्रकट हुईं थीं भगवान शिव की भुजाएं

**देवों** के देव महादेव के वैसे तो कई मंदिर है लेकिन, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित तुंगनाथ विश्व का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। मान्यता है कि इस स्थान पर भगवान शिव की भुजाएं है। इस मंदिर के वर्णन महाभारत से लेकर रामाणय काल तक में मिलता है। तुंगनाथ विश्व का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। यह पंच केदार में शामिल है। पंच केदारों में शामिल तुंगनाथ की पुराणों में दिव्य और विशेष महिमा बताई गई है। तुंगनाथ में भगवान शिव की भुजाएं प्रकट हुई थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण अर्जुन ने कराया था। इस मंदिर में पांडवों ने भ्राता मृत्यु से मुक्ति पाने के लिए तपस्या की थी। तुंगनाथ मंदिर उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है।

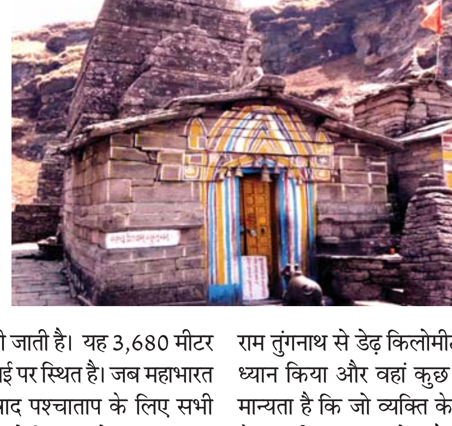

पंच केदार में से एक तृतीया तुंगनाथ धाम है। इस स्थान पर शिवजी के हृदय स्थल और भुजा की पूजा की जाती है। यह 3,680 मीटर (12,073 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। जब महाभारत युद्ध समाप्त हुआ, उसके बाद पश्चाताप के लिए सभी पांडव भगवान शिव की खोज में निकल पड़े। जब भगवान शिव का यह ज्ञात हुआ तो वह पांडवों से छिपने लगें। पांडव भी भगवान शिव का पीछा करते करते केदार पहुंच गए। वहां शिवजी ने बैल का रुप धारण कर लिया और बाकी पशुओं के बीच जाकर बैठ गए। तब भीम को संदेह हुआ और उन्होंने भगवान शिव को पहचान लिया।

### निकली थी भगवान शिव की भुजाएं

भीम ने बैल की पीठ को पकड़ लिया और भगवान शिव अपना आकार बड़ा करते चले गए। उनकी पीठ जहां रह गई वह स्थान केदारनाथ बन गया और जहां उनकी भुजाएं निकली वह स्थान तुंगनाथ बना। इसी तरह केदारनाथ के साथ मिलकर यह सभी पंच केदार कहलाते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इस स्थान पर रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। वहीं, भगवान राम ने जब रावण का वध किया था उसके बाद भगवान राम तुंगनाथ से डेढ़ किलोमीटर दूर चंद्रशिला पर आकर ध्यान किया और वहां कुछ वक्त अकेले बिताया था। मान्यता है कि जो व्यक्ति केदारनाथ के साथ साथ पंच केदार की यात्रा कर लेता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान शिव की भी असीम कृपा ऐसे लोगों पर बनी रहती है।

## न्यूज विंडो

### खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष का किया स्वागत

**सिरोंज।** पदभार ग्रहण करने भोपाल जा रहे खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ कृष्णपाल सिंह यादव का भोपाल रोड स्थित महामाई मंदिर प्रवेश द्वारा पर विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। संगठन द्वारा पद पर नियुक्त होने की घोषणा के बाद पहली बार भोपाल जा रहे कृष्णपाल यादव की ढोल बाजे के साथ अगवानी करते हुए कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशबाजी की । दोपहर करीब 12 बजे सिरोंज पहुंचे डॉ यादव को विधायक उमाकांत शर्मा ने बधाई देते हुए शाल श्रीफल गदा एवं महामाई माता का चित्र भेंट देकर सम्मानित किया। डॉ यादव ने अपनी नियुक्ति के लिए वरिष्ठ नेतृत्व संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ता के प्रति आभार व्यक्त भी किया। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

### बैंकों के बाहर बेतरतीब पार्किंग से जाम का जंजाल, राहगीर परेशान

**गंजबासौदा।** शहर में संचालित बैंकों के बाहर पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। बैंक पहुंचने वाले ग्राहक अपने वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर अंदर लेन-देन के लिए चले जाते हैं, जिससे मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति बन रही है। व्यस्त समय में हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्टेशन क्षेत्र में शहर के प्रमुख बैंक में सुबह से ही दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें सड़क पर लग जाती हैं। कई स्थानों पर तो वाहन इस तरह खड़े किए जाते हैं कि सड़क का आधा हिस्सा घिर जाता है, जिससे यातायात बाधित होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। नागरिकों का कहना है कि बैंकों को पार्किंग व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि ग्राहकों को सुविधा मिल सके और शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। वहीं, पुलिस और नगर प्रशासन की ओर से भी इस दिशा में ठोस कार्रवाई की जाना चाहिए। यदि इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में यह स्थिति और भी गंभीर रूप ले सकती है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाएगी।

## रायसेन पुलिस की बड़ी सफलता

# डकैती की प्लानिंग कर रहे 10 संदिग्ध को किया गिरफ्तार, सात वारदातें उजागर

**रायसेन। दोपहर मेट्रो**

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा जिले में बढ़ रहे अपराधों की रोकथाम एवं आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के पालन में कमलेश कुमार खरपूसे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसेन के मार्गदर्शन में लेडी सिंगम शीला सुराणा एसडीओपी औबेदुल्लागंज एवं थाना प्रभारी सतलापुरविजय त्रिपाठी व थाना प्रभारी मंडीदीप रंजीत सराठे एवं थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस को जानकारी के मुताबीत मंडीदीप के जिलेटिन चौराहे के पास पुराने आईटीआई भवन के पास 8-10 संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिलों के साथ एकत्र होकर किसी कंपनी में डकैती डालने की योजना बना रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए गठित पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। मौके पर उपस्थित संदिग्ध व्यक्तियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, जिन्हें तत्परता से पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने सतलापुर क्षेत्र की फैक्ट्री में डकैती करने की योजना बनाना स्वीकार किया एवं पूर्व में की गई घटनाएं भी स्वीकार की गई गिरफ्तार आरोपीगण-नीरज घोषी उर्फ जानू ठाकुर ,दीपक उर्फ दीपू लोधी,हर्ष शर्मा उर्फ भय्यू,लवकुश लोधी पिता छोटेलाल लोधी, महेन्द्र सहरिया पिता भैयालाल सहरिया,राज ठाकुर पिता कमलेश पुरविया, अजय उर्फ अज्जू मैना,किशन उर्फ छोटू लोधी,विवेक उर्फ विक्की कुल्हारे,01 विधि विरुद्ध बालक जप्त साथ में।

**मशरूका जब्त :** आरोपियों के कब्जे से एक नकली पिस्टल, लोहे का बका, लोहे की रॉड, पाइप, छुरी एवं अन्य औजार तथा 04 मोटरसाइकिल जप्त की गई।

**बरामदगी :** आरोपियों से घटनाओं में प्रयुक्त 04 मोटरसाइकिल, 02 मोबाइल, 01 टीवी एवं एक लाख रुपये नगद सहित कुल लगभग सात लाख का मशरूका बरामद किया गया है ।आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

**सराहनीय भूमिका :** एसडीओपी औबेदुल्लागंज शीला सुराणा, निरीक्षक विजय त्रिपाठी, निरीक्षक रंजीत सराठे, निरीक्षक बी.पी. सिंह, उनि अरुणा साना, उनि अरविंद पांडे, सउनि मुकेश चौरसिया, प्रधान आरक्षक कृष्णपाल सिंह, भूपेन्द्र रघुवंशी, सुनील बर्डे, केदार सिंह, कमल मर्सकोले, आरक्षक उदयवीर जाट, सौरभ दास, यागवेन्द्र भास्कर, विजय धावड़े, सुरेश पर्ते, सैनिक लक्ष्मण एवं संतोष शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही

## प्लांट में भारी वजनी टैंक गिरने से दो मजदूरों की मौत

**नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो**

जिले के ग्राम बचई स्थित महाकौशल शुगर मिल परिसर में स्थित इथेनॉल प्लांट में सोमवार की रात करीब एक-डेढ़ बजे दर्दनाक हादसा हो गया। प्लांट में कार्य कर रहे दो श्रमिकों के ऊपर एक भारी वजनी टैंक गिरा तो दोनों श्रमिकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटनास्थल का पुलिस, राजस्व एवं श्रम विभाग की टीम ने निरीक्षण किया है, जांच के लिए उपसंचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को भी पत्राचार किया जा रहा है। मुंगवानी पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

घटना में बताया जाता है कि सोमवार की रात प्लांट में ग्राम खापा शेढ़ निवासी जगदीश पिता लेखराम यादव 32 वर्ष व सिलवानी निवासी पवन पिता परषोत्तम ठाकुर 30 वर्ष रोजाना की तरह कार्य कर रहे थे। रात करीब एक-डेढ़ बजे अचानक प्लांट का डीडीएस टैंक जिससे मक्के से इथेनॉल बनाने के बाद जो भूसी निकलती है वह टैंक के जरिए गिरती है और दोनों श्रमिक उसको बोरे में भर रहे थे, कि अचानक टैंक उनके ऊपर गिरा तो दोनों बुरी तरह घायल हुए जिनको प्लांट प्रबंधन की ओर से जिला अस्पताल लाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। मंगलवार को दोनों शवों का अस्पताल में परीक्षण हुआ। जिसके परिजन शवों को अंतिम संस्कार के लिए अपने-अपने गांव ले गए।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी व मृतक जगदीश के चचेरे भाई कमलेश ने बताया कि प्लांट में करीब एक सप्ताह से मशीन में तकनीकी खराबी बनी हुई थी और लगातार मरम्मत का काम चल रहा था। हादसे के समय भी मशीन पर काम जारी था, तभी अचानक टैंक गिर गया। उन्होंने बताया कि जगदीश ने महज तीन महीने पहले ही नौकरी शुरू की थी और वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, जिसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं मृतक पवन की बहन राजकुमारी ने बताया कि उसे सुबह ही घटना की जानकारी रिश्तेदारों से मिली। पवन करीब एक माह से प्लांट में कार्य कर रहा था, उसके दो बच्चे हैं। पुलिस ने बताया कि हादसा कैसे हुआ, क्या वजह रहीं इसकी जांच हो रही है। वहीं प्लांट प्रबंधन की ओर से एके श्रीवास्तव ने बताया कि घटना अचानक हुई जिससे अफरा-तफरी मर्च गई। जेसीबी व अन्य मशीनों की मदद से टैंक को हटाकर घायलों को अस्पताल लेकर गए। दोनों मृतकों के परिवार को तत्काल 25-25 हजार रुपए की सहायता देने के बाद एमडी की ओर से दो-दो लाख रुपए की राशि दी गई है। परिवारों को अन्य माध्यमों से भी आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाएगी।

## बारिश में भीगा गेहूं

**बीना। दोपहर मेट्रो**

समर्थन मूल्य खरीदी केन्द्रों पर गेहूं की तौल चल रही और नागरिक आपूर्ति निगम के सर्वेयर इसकी जांच कर रहे हैं। तौल के बाद गेहूं एफसीआई (भारतीय खाद्य निगम) की गोदाम में जमा करने भेजा जा रहा है, जहां गुणवत्ताहीन गेहूं को रिजेक्ट कर ट्रक वापस समितियों को लौटाए जा रहे हैं। ऐसे में किसानों का भुगतान अटक जाएगा।

जानकारी के अनुसार इस वर्ष एफसीआई की गोदाम में 7608 मीट्रिक टन गेहूं जमा होना है और अभी तक करीब 2000 मीट्रिक टन ही जमा हुआ है। समर्थन मूल्य खरीदी केन्द्रों से एफसीआई पहुंचने वाले गेहूं की कर्मचारी गुणवत्ता जांचते हैं और गुणवत्ता ठीक न होने से उसे रिजेक्ट कर उसे वापस कर दिया जाता है। जांच के दौरान बारधा, मालथौन, भानगढ़ समिति के गेहूं में मिट्टी की मात्रा ज्यादा होने पर रिजेक्ट किया है और गेहूं वापस समितियों को भेज दिया गया है। बुधवार को भी एक ट्रक गेहूं रिजेक्ट किया गया। गोदाम में गेहूं जमा न होने के कारण किसानों का भुगतान अटक जाएगा और उन्हें समितियों के चक्कर काटने होंगे। यदि तौल के समय ही सर्वेयरों द्वारा गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता, तो यह स्थिति निर्मित नहीं होती।

## अपहरण की बात को लेकर आक्रोश, देर रात तक बवाल

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

विगत रात्रि यादव समाज के सैकड़ों लोग लाठी डंडे लेकर रात 9 बजे थाने पहुंचे ओर देर रात तक डटे रहे चश्मदीद राममोहन यादव ओर सुरेश यादव ने बताया कि रात 8 - 8.30 बजे इमलानी रोड सांकलोन चौराहे के पास एक भैंस की पड़िया से एक मोटर सायकिल टकरा गई जिस पर तीन मुस्लिम समाज के युवक सवार थे द्य टक्कर से पड़िया घायल हो गई थीं जिसको लेकर पड़िया पालक परिवार ओर मोटर सायकिल सवारो के बीच कहासुनी चल रही थीं, इतने में उन तीनो में से किसी ने कॉल कर अन्य लोगो को बुला लिया द्य तीन कारों में भरकर मुस्लिम पहुंचे ओर उतरते ही पथराव ओर मारपीट कर दी द्य रोड किनारे मकान पर तोड़फोड़ कर दी ओर मलखान यादव नाम के आदमी को कार में डालकर उठा ले गए द्य जिस कारण सैकड़ों की संख्या में यादव समाज के लोग सिरोंज थाने पहुंचे ओर जमकर उत्पाद मचाया। पुलिस के समझाने के बाद भी जब आक्रोशित लोग नहीं माने तब विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव पूर्व जनपद अध्यक्ष हमीर सिंह यादव

ओर एडिशनल एस पी प्रशांत चौबे के समझाने के बाद यादव समाज के लोग सिरोंज से थाने से हटे द्य उनको बताया गया कि अपहरण किये गए मलखान यादव को पुलिस ने अपने संरक्षण में ले लिया है और जल्द ही आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा। आक्रोशित लोग मलखान को अपने सामने लाने और आरोपियों को तत्काल पकड़ने की मांग पर अड़ गए थे।

## थाना केसला में शराब माफिया धराए 4.30 लाख रुपए का माल किया जब्त

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

थाना केसला पुलिस ने 6 मई को मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक मारुति डिजायर कार से 21 पेटी अवैध देसी प्लेन शराब (180 एमएल की) जब्त कर ली। कार चालक राज सिंह ठाकुर (29 वर्ष, न्यूयार्ड, इटारसी) को एनएच-46 पर थाना केसला के सामने रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

जांच में राज सिंह ने कबूल किया कि शाहपुर एनएच-46 शराब दुकान के पीछे बने गोदाम से दुकान मैनेजर के जरिए 21 पेटी शराब (कुल 189 लीटर, मूल्य 63,000 रुपये) खरीदी थी। इनमें 10 पेटी उसकी अपनी और 11 पेटी दीपक विश्वकर्मा (नर्मदापुरम) की बताईं। आरोपी के

पास न शराब का वैध लाइसेंस था, न परिवहन दस्तावेज या कार के कागजात। शराब की 21 पेटी (लगभग 80,000 रुपये) और कार (3.50 लाख रुपये) सहित कुल मशरूका 4.30 लाख रुपये का जब्ती की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट धारा 34(2) के तहत अपराध क्रमांक 64/26 दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

## सतना जेल में डिप्टी जेलर को कैदी से हुआ प्यार, रचाया ब्याह

**सतना। दोपहर मेट्रो**

जेल की ऊंची दीवारों और सलाखों के पीछे जहां आमतौर पर अपराध, सजा और सन्नाटे की कहानियां जन्म लेती हैं, वहीं केन्द्रीय जेल सतना में एक ऐसी कहानी भी चुपचाप आकार ले रही थी, जिसने आखिरकार प्रेम और विश्वास की मिशाल बनकर सबको चौंका दिया। जेल के वारंट कार्यालय में तैनात डिप्टी जेलर ने इसी जेल के सजायाफ्ता रहे कैदी से ब्याह रचा अपने नए जीवन की शुरुआत कर ली। 5 मई को डिप्टी जेलर फिरोजा खातून और सजा माफ कैदी धर्मेन्द्र सिंह की शादी अब प्रदेश में चर्चा का विषय बन चुकी है। वर्ष 2007 में छतरपुर जिले के चंदला में एक दिल दहलाने वाली घटना हुई थी। यहां के नगर परिषद उपाध्यक्ष कृष्णदत्त दीक्षित की हत्या कर दी गई थी और उनका शव दफन कर दिया गया था। पुलिस की जांच में चंदला निवासी धर्मेन्द्र सिंह इसका हत्याकांड का दोषी निकला और अदालत ने हत्यारा मानते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुना दी। धर्मेन्द्र को सजा काटने सतना केन्द्रीय जेल भेजा गया। धर्मेन्द्र यहां सजा के दौरान अच्छे चाल चरित्र का परिचय दे रहा था। लिहाजा उसे जेल दफ्तर के कार्यों में भी सहयोगी के तौर पर तैनात किया जाने लगा। उसकी समझ को देखते हुए जेल की वारंट शाखा में सहायक के काम में रख दिया गया। जहां वह कैदियों की आमद रिहाई संबंधी लिखा पढ़ी और दस्तावेज संभालने का काम करता था।

**मेट्रो एंकर**

**भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की मासिक बैठक का आयोजन**

## संगठन के कार्यक्रमों को निष्ठा के साथ करें पूर्ण-पटेल

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी गोविंद पटेल ने विधायक उमाकांत शर्मा के साथ दीप प्रज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया।

संस्कार गार्डन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए गोविंद पटेल ने कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि बंगाल की जीत हमे उत्साहित करने वाली अवश्य है लेकिन हमको ओर अधिक ऊर्जा के साथ संगठन को ओर अधिक मजबूत करने के साथ सर्वस्पर्शी सर्वव्यापी बनाने की आवश्यकता है। हमारा कार्यकर्ता मजबूत ओर सबल बने ऐसे हमारे प्रयास होने चाहिए। हमारा बूथ केंद्र ओर शक्ति केंद्र मजबूत बने विरोधी दलों के द्वारा आम जनता के बीच फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का हम मजबूती से तर्क सहित प्रस्तुत करें। आज हमारी भाजपा सरकार की योजनाओं का पारदर्शी लाभ सीधे आम जनता में लाभार्थी हितग्राहियों को मिल रहा है। हमारे मंडल,शक्ति केंद्र ओर बूथ केंद्र की बैठके नियमित रूप से संचालित हो। कार्यकर्ताओं

से हमारा संपर्क सतत स्थापित होकर निरंतर बना रहना चाहिए। बैठक के दौरान उन्होंने जिला संगठन की कार्ययोजना से मंडल कार्यकारणी को अवगत कराया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से माह के अंतिम रविवार को मन की बात सामूहिक रूप से सुने जाने का आग्रह करते हुए बूथ केंद्र पर निवासरत संगठन के वरिष्ठ नेताओं के सम्मान का भी ध्यान रखने की बात कार्यकर्ताओं से की। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि भारत में आज एक विशेष खुशी की लहर है मोदी के मार्गदर्शन में कठोर परिश्रम अमित शाह एवं नितिन नवीन के विशेष प्रयासों के साथ बंगाल राज्य के अनगिनत कार्यकर्ताओं के संघर्ष के परिणाम स्वरूप मिली जीत की बधाई दी। यह वंदे मातरम् गीत का भी डेढ़ सौ वा वर्ष है जिसे बंगाल में ही रचा गया। सती प्रथा का विरोध करने वाले राजा राममोहन राय एवं शिकागो धर्म सम्मेलन में भारत की धर्म विजय पताका को लहराने वाले स्वामी विवेकानंद जी का बंगाल आज अराजकता ओर आतंक से मुक्त हुआ है। मोदी जी ने भी कहा है गंगोत्री से गंगा सागर तक अब भाजपा की ध्वज पताका लहरा रही है।

हम सब भाजपा के कार्यकर्ता जिनके नेतृत्व में जिस विचारधारा को लेकर चले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिसके लिए बलिदान दिया। उस बंगाल की भूमि पर भाजपा की विजय से आज श्यामप्रसाद मुखर्जी जहां कहीं भी होंगे बड़े खुश हो रहे होंगे। उन्होंने संगठन को सर्वोपरि मानते हुए कहा कि में किसी पद पर रहूं न रहूं निज स्वार्थ हो सकते हे आपस में अंतर विरोध हो सकता है लेकिन हमारे संगठन हमारे मतदान केंद्र,शहरी ग्राम केंद्र,बूथ इकाई ओर मंडल केंद्र पर मजबूत करें यही एक कार्यकर्ता का लक्ष्य होना चाहिए। पार्टी की रीति नीति ओर बताए कार्यक्रमों को अनुसरण करना हमारा प्रथम लक्ष्य होना चाहिए। बैठक को जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव एवं रूपेश यादव ने भी संबोधित किया। बैठक संचालन महामंत्री सुमंत मित्तल एवं आभार मंत्री टीकाराम शाक्य ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल कार्यकारिणी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### चंदला में जीआरटीसी कंपनी की मनमानी पर फिर बैठी जांच

# मुरम चोरी का प्रकरण दर्ज होने के बाद माइनिंग डिप्टी डायरेक्टर ने गठित की टीम

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

चंदला क्षेत्र में सड़क निर्माण के नाम पर प्राकृतिक संपदा की लूट मचाने वाली जबलपुर की जीआरटीसी (गौर रोड टार कोट प्राइवेट लिमिटेड) कंपनी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पूर्व में 2439 घन मीटर मुरम के अवैध उत्खनन पर केस दर्ज होने और 36.58 लाख रुपए का जुर्माना प्रस्तावित होने के बाद, अब विभाग ने इस मामले में एक और कड़ी कार्रवाई की है। मामला मीडिया में आने से आने के बाद माइनिंग विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने मामले की गहराई से पड़ताल के लिए एक नई जांच टीम का गठन कर दिया है। माइनिंग के डिप्टी डायरेक्टर अमित मिश्रा ने खनिज निरीक्षक को सख्त निर्देश देते हुए एक सप्ताह के भीतर जांच पूर्ण कर कार्रवाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए टीम को निर्देशित किया है। हालांकि, प्रभारी खनिज अधिकारी द्वारा पूर्व में ही जांच कर कंपनी के खिलाफ नियम 18 (2) के तहत प्रकरण दर्ज किया चुका है और मामला कलेक्टर न्यायालय में विचाराधीन है। लेकिन स्थानीय शिकायतों और अवैध उत्खनन की भयावहता को देखते हुए अब यह नई जांच टीम यह सुनिश्चित करेगी कि स्वीकृत क्षेत्र के बाहर और कहां-कहां खुदाई की गई है।

**अब तक का घटनाक्रम**

### प्रशासन के घेरे में कंपनी

अवैध उत्खनन का खुलासा- बछौन से चंद्रपुरा मार्ग के निर्माण के दौरान कंपनी ने बिना अनुमति के 2439 घन मीटर मुरम का अवैध उत्खनन किया भारी जुर्माना- माइनिंग टीम ने 36.58 लाख रुपए की क्षति का आंकलन किया है, जिसे कलेक्टर न्यायालय में पेश किया गया है जवाब संतोषजनक न होने पर यह राशि 73.17 लाख रुपए तक जा सकती है। किसानों का नुकसान मुकुंदपुर तिगैला और रानीपुर पंचायत में अवैध खनन और धूल के गुबार से किसानों की सब्जियां और फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं।

### पर्यावरण मंत्री का है क्षेत्र, इसलिए चर्चा में

यह कार्रवाई इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि यह क्षेत्र प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री दिलीप अहिरवार का है, जहां विकास के नाम पर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

### दबंगई से किया खनन तालाबों के पास गड्ढे

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने दबंगई दिखाते हुए मुकुंदपुर तिगैला के तालाब के पास और किसानों की निजी जमीनों पर बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए हैं। उत्खनन के कारण उड़ती धूल ने न केवल खेती को प्रभावित किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति पैदा कर दी है। डिप्टी डायरेक्टर अमित मिश्रा ने साफ तौर पर कहा है कि यदि नई जांच में अस्वीकृत क्षेत्रों में और भी अवैध उत्खनन पाया जाता है, तो कंपनी के खिलाफ प्रकरणों की संख्या बढ़ाई जाएगी और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस नई जांच से उन अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं जिन्होंने पूर्व में इस बड़े खेल की अनदेखी की थी।

**उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण**

## किसानों को असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित रहें

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना एवं मसूर का उपार्जन शासन द्वारा निर्धारित उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है। जिले में गेहूं के 30 तथा चना एवं मसूर के 2 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। उप संचालक कृषि शहडोल के.एस. यादव द्वारा गेहूं उपार्जन केंद्र पेपरेडी एवं भन्नी तथा चना एवं मसूर उपार्जन केंद्र ब्यौहारी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों के लिए पेयजल, छाया, समय पर तौल व्यवस्था एवं 6 तौल कांटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि पेपरेडी उपार्जन केंद्र में अब तक 6271.50 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। इस केंद्र के लिए 672 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किए गए हैं, जिनमें से 274 किसानों के स्लॉट पर विक्रय कार्य शेष है। वहीं ब्यौहारी मंडी में सेवा सहकारी समिति ब्यौहारी द्वारा 12.50 क्विंटल चना एवं 74 क्विंटल मसूर का उपार्जन किया गया है। उप संचालक कृषि यादव ने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित रहें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा भी उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है, इसलिए केंद्र प्रभारी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखें।

**पीथमपुर के समीप की कार्रवाई**

## अवैध लकड़ी से भरा आयशर वाहन पकड़ा, 7 टन माल बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

वन मण्डल में लकड़ी तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वन विभाग को एक और सफलता मिली है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए विभाग की टीम ने बीती रात घेराबंदी कर अवैध लकड़ी का परिवहन कर रहे एक आयसर वाहन को पकड़ा है। उक?त कार्रवाई वन मण्डल अधिकारी विजयानंथम टी. आर. के मार्गदर्शन की गई है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन सयदे ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि एक वाहन के जरिए अवैध लकड़ी की तस्करी की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष गश्ती एवं चेकिंग दल का गठन किया गया। टीम ने मानपुर-इंदौर रोड पर स्थित पीथमपुर की होटल मनाल के पास घेराबंदी की। चेकिंग के दौरान संदिग्ध आयसर वाहन रोककर जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसमें भारी मात्रा में अडकाट लकड़ी भरी हुई पाई गई।

### 6 लाख का वाहन और 7 टन लकड़ी जब्त

वन विभाग की टीम ने जब चालक से लकड़ी की कटाई और परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी कागजात पेश नही कर सका। इसके बाद टीम ने तत्काल वाहन को जब्त कर वन परिक्षेत्र कार्यालय धार लाया। आयसर से लगभग 7 टन लकड़ी जिसकी बाजार मूल्य करीब 30 हजार रुपये के करीब है और वाहन को जप्त किया गया। विभाग अब इस बात की जांच कर रहा है कि यह लकड़ी कहाँ से काटी गई थी और इसे कहाँ खपाने की तैयारी थी। कार्रवाई में वन स्टाफ के रामसिंह कनेल, महेन्द्र डामरे, जीतेन्द्र चौधरी, रितेश त्रिवेदी एवं लक्ष्मण सिंह भवेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## महंगी पड़ी इश्कबाजी.... होटल के कमरे में प्रेमिका के संग रंगे हाथों पकड़ाया डॉक्टर पति, पत्नी ने जमकर की धुनाई

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

शहर के नाहटा चौराहा स्थित एक होटल में बुधवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक पत्नी ने अपने डॉक्टर पति को दूसरी महिला के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। पति को प्रेमिका के साथ देख पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने होटल के कमरे में ही पति की जमकर क्लास लगा दी।

मिली जानकारी के अनुसार शामगढ़ निवासी डॉ. जुल्फिकार शहर के नाहटा चौराहा स्थित एक होटल में अपनी प्रेमिका के साथ ठहरा हुआ था। डॉक्टर को लगा कि वह अपनी करतूत को दुनिया की नजरों से छिपा लेगा लेकिन उसे क्या पता था कि उसकी पत्नी को इसकी भनक लग चुकी है। बुधवार रात करीब 9 बजे पत्नी अपने परिजनों के

साथ अचानक होटल पहुंची और सीधे उस कमरे में जा घुसी जहां डॉक्टर अपनी प्रेमिका के साथ रंगरेलियां मना रहा था। कमरे का नजारा देखते ही पत्नी और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। पत्नी ने बिना देरी किए पति पर हाथ साफ करना शुरू कर दिया। इस दौरान डॉक्टर साहब खुद को बचाने के लिए हाथ-पैर जोड़ते रहे। होटल में मचे इस बवाल से अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग भी वहां जमा हो गए। हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में विवाद बढ़ता देख पुलिस डॉक्टर, उसकी प्रेमिका, पत्नी और परिजनों को पूछताछ के लिए कोतवाली थाने ले गई। फिलहाल मामले में पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। इलाके में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

## गर्भवती की मौत पर लापरवाही का लगाया आरोप, किया हंगामा

सागर। दोपहर मेट्रो

गर्भवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस पर परिजन ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इनका कहना था कि महिला बाइक पर आई और चलते हुए अस्पताल में गई थी। इस मामले में डॉक्टर का कहना है कि ब्लीडिंग होने पर महिला को लाया गया था। उसने गुटखा खा रखा था। खांसी आने पर गुटखे के कण लंग्स में चले गए। इससे तबीयत बिगड़ गई और फिर हार्ट ने भी काम करना बंद कर दिया। रेफर करने से पहले मौत हो गई। हंगामा की सूचना पुलिस को दी गई, जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजन को समझाइश देकर स्थिति संभाली और जांच का आश्वासन दिया।

रहली निवासी 28 वर्षीय विद्या राय डेढ़ माह की गर्भवती थी। उसे कुछ दिनों से ब्लीडिंग हो रही थी। परिजन उसे दमोह ले गए, फिर सागर के अस्पताल में लाए। आखिर में सेवा हॉस्पिटल में लेकर पहुंचे। यहां सोनोग्राफी रिपोर्ट में उसके गर्भपात (मिस कैरेज) हो गया है। भ्रूण का कुछ हिस्सा बच्चेदानी में रह जाने पर उसकी सफाई (डाइलेशन और क्यूरेटेज) कराने की सलाह दी गई। दंपती की रजामंदी पर इलाज शुरू किया गया। इसी दौरान हालत बिगड़ गई। वेंटिलेटर की जरूरत होने पर उसे रेफर किया जा रहा था, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। महिला के परिजन पुष्पेंद्र राय ने बताया कि विद्या स्वस्थ थी और बाइक से सागर आई थी। इलाज के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई।

## किराना दुकान पर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के बोहरा बाजार में स्थित किराना दुकान में चोरी की वारदात हुई थी, कोतवाली पुलिस की सक्रियता के चलते महज 24 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुखबिर तंत्र के आधार पर सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग पर पुलिस ने संदिग्ध खली पिता राजु मेडा उम्र 19 साल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करने की बात स्वीकार की, पुलिस ने आरोपी खली की निशानदेही पर दुकान से चोरी गया किराने का सामान जप्त कर लिया है। अब आरोपी से पुलिस शहर में हुई अन्य चोरी के प्रकरणों को लेकर भी पूछताछ कर रही है। प्रकरण का खुलासा करने में निरीक्षक दीपक सिंह चौहान, प्रआर अरविंद चौहान, पंकज चौहान, आरक्षक रामनरेश, राममूर्ति का महत्वसपूर्ण योगदान रहा।

दरअसल कोतवाली थाना अंतर्गत मालक किराना दुकान पर रात के अंधेरे में एक दिन पूर्व चोरी हुई थी। व्यापारी गौरव पिता दिनेशचंद्र अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में घुमने वाले प्रायवेट चौकीदार के अनुसार रात करीब 2-30 बजे दुकान की साईड का ताला तोडकर बदमाश अंदर घुसा था। दुकान से तेल के पाउच, काजू, तम्बाकू के पाउच सहित नगदी रुपए लेकर बदमाश फरार हो गया। थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के अनुसार प्रकरण की सूचना मिलते ही टीम गठित की गई थी, पुलिस ने कैमरों की रिकार्डिंग खंगाली। जिसमें एक बदमाश नजर आया, बदमाश शहर के छत्री चौराहे पर चोरी का सामान सस्ते। दामों पर बेचने की फिराक में घुम रहा था। पुलिस ने खली नाम के बदमाश को गिरफ्तार कर लिया हैं, अब आगामी कार्यवाही पुलिस कर रही है।

**मेट्रो एंकर** आदि गुरू शंकराचार्य जन्म जयंती पखवाड़ा के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय व्याख्यान माला का आयोजन

## शंकराचार्य ने भारत की यात्रा कर सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जन अभियान परिषद अनूपपुर के तत्वावधान में आदि गुरू शंकराचार्य जन्म जयंती पखवाड़ा के उपलक्ष्य में आज कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में जिला स्तरीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अमरकंटक के प्रधान पुजारी पंडित धनेश वन्दे महाराज, जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शंकराचार्य जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर म.प्र. राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल ने आदि गुरु शंकराचार्य जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने सनातन परंपरा को एक सूत्र से जोड़कर रखने के लिए देश के चार धामों में मठों की स्थापना की। आदि गुरु शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत के दर्शन का विस्तार किया। उन्होंने उपनिषदों, भगवद् गीता और ब्रम्हसूत्रों के प्राथमिक सिद्धांतों जैसे हिंदू धर्मग्रंथों की व्याख्या एवं पुनर्व्याख्या की। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने सम्पूर्ण राष्ट्र को एक संस्कृति सूत्र में पिरोने का महान कार्य किया था। यह जयंती पखवाड़ा हमें अपनी जड़ों से जुड़ने और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर अमरकंटक के प्रधान पुजारी पंडित श्री धनेश वन्दे महाराज ने आदि गुरु शंकराचार्य जी के अद्वैत वेदांत दर्शन, भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं समाज को एक सूत्र में बांधने में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी ने अपने अल्प जीवनकाल में संपूर्ण भारत की यात्रा कर सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

**शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उ. मा. विद्यालय भोपाल म.प्र. स्पर्श भवन केसर बंगलापरी बाजार, ईदगाह हिल्स भोपाल**

ईमेलः sddbschool.bhopal@gmail.com

(मध्य प्रदेश शासनसामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरणविभाग द्वारा संचालित)

**समाचार पत्र विज्ञप्ति**

शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उ. मा. विद्यालय, भोपाल तथा शासकीय मानसिक रूप से अविकसित बालक/बालिकाओं का छात्रावास भोपाल.....

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों में दृष्टि दिव्यांग, श्रवण दिव्यांग, तथा बौद्धिक रूप से दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए 01 अप्रैल 2026 से निःशुल्क प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं।

यहां की विशेषताऐ प्रशिक्षित शिक्षक, स्मार्ट क्लासेस, आधुनिक संसाधनों का प्रयोग, निशुल्क छात्रावास सुविधा, आंतरिक एवं बाहरी खेल कूद सुविधाएं जैसे करम, क्रिकेट शतरंज आदि।

पता :- केसर बांग्ला ईदगाह हिल्स रोड परी बाजार ऑल सेंट स्कूल के सामने भोपाल

संपर्क नंबर

अधीक्षक - 9893963656, 9399792954, 9893624096, 9131666123, 9827400481,

अधीक्षक
शास. दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ
उ. मा. विद्यालय भोपाल

G-12477/26 "सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930"

### आईपीएल 2026 प्लेऑफ में बड़ा ट्विस्ट

# बंगलूरू से छिना फाइनल, वेन्यू में अचानक बदलाव, अहमदाबाद बना नया मेजबान!

**मुंबई, एजेंसी**

आईपीएल 2026 जैसे-जैसे अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे रोमांच भी चरम पर पहुंच गया है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्लेऑफ का आधिकारिक शेड्यूल जारी कर सभी को चैंका दिया है। सबसे बड़ा बदलाव फाइनल मुकाबले के वेन्यू को लेकर हुआ है। पहले जहां फाइनल बेंगलुरु में होने की उम्मीद थी, वहीं अब यह मुकाबला 31 मई को नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा।

बीसीसीआई के अनुसार, बंगलूरू में कुछ स्थानीय प्रशासनिक और संघीय आवश्यकताएं थीं, जो बोर्ड के तय प्रोटोकॉल से मेल नहीं खाती थीं। हालांकि, इस बयान ने विवाद को जन्म दे दिया है। फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच यह चर्चा तेज है कि आखिर ऐसी कौन सी शर्तें थीं, जिनके कारण यह बड़ा फैसला लिया गया। कुछ रिपोर्ट्स टिकटिंग विवाद की ओर भी इशारा कर रही हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

## 3 शहरों में होंगे प्लेऑफ मुकाबले

इस बार आईपीएल प्लेऑफ एक ही शहर में नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। बीसीसीआई ने इसे लॉजिस्टिक और ऑपरेशनल कारणों से जुड़ा निर्णय बताया है। 26 मई को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, धर्मशाला, 27 मई को न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम,

मुल्लांपुर, 29 मई को वही मुल्लांपुर स्टेडियम और 31 मई को फाइनल नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल का आयोजन इस सीजन को और भव्य बना देता है। इससे पहले भी यह मैदान कई बड़े मुकाबलों और फाइनल्स की मेजबानी कर चुका है।

## टॉप-2 में जगह बनाने की जंग तेज

नए शेड्यूल के साथ अब टीमों के बीच टॉप-2 में पहुंचने की होड़ और तेज हो गई है। क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी, जिससे उसका खिताब जीतने का मौका दोगुना हो जाता है। आईपीएल 2026 का यह बदलाव सिर्फ एक शेड्यूल अपडेट नहीं, बल्कि टूर्नामेंट की दिशा बदलने वाला फैसला साबित हो सकता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि मैदान के अंदर की जंग ज्यादा चर्चा में रहती है या मैदान के बाहर के फैसले!

## आज लखनऊ-बेंगलुरु का मुकाबला, हार का सिलसिला तोड़ने की उतरेगी एलएसजी

आईपीएल में आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। इस मैच का टॉस शाम 7 बजे होगा। बेंगलुरु को पिछले मैच में गुजरात टाइटंस से 4 विकेट से हार मिली थी। रजत पाटीदार की टीम यह मैच जीतकर प्लेऑफ की रेस में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी। वहीं, लगातार 6 हार के बाद पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे पहुंच चुकी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए यह मुकाबला साख बचाने जैसा होगा। अभी तक दोनों टीमों के बीच आईपीएल में 7 मुकाबले हुए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 5 मैच जीते हैं। इस सीजन में दोनों के बीच यह दूसरा मुकाबला है। बेंगलुरु में खेले गए पहले मैच में आरसीबी ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया था। पिछले सीजन में दोनों के बीच एक मैच हुआ था, जिसे बेंगलुरु ने जीता था। दोनों टीमें इकाना में दो बार भिड़ीं है और दोनों बार बेंगलुरु जीती है। आरसीबी 12 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। हालांकि, तीन अन्य टीमों के भी 12-12 अंक हैं। गुजरात टाइटंस से मिली हार के बाद बेंगलुरु का नेट रन रेट प्रभावित हुआ है, जिसे टीम सुधारना चाहेगी। दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए टूर्नामेंट लगभग खत्म हो चुका है, लेकिन ऋषभपंत की कप्तानी वाली टीम बेंगलुरु का खेल बिगाड़ सकती है। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए यह सीजन निराशाजनक रहा है। मिचेल मार्श, एडन मार्करम और निकोलस पूरन लगातार संघर्ष कर रहे हैं। कप्तान ऋषभपंत की फॉर्म पर भी सवाल हैं। बैटिंग ऑर्डर में लगातार बदलाव की रणनीति टीम पर भारी पड़ी है।

# बाबर ने चुनी वनडे की बेस्ट प्लेइंग-11, किसी भारतीय को नहीं रखा

**कराची, एजेंसी**

पेशावर जाल्मी ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का खिताब जीत लिया है। बाबर आजम की कप्तानी वाली इस टीम ने फाइनल में मार्नस लाबुशेन की अगुआई वाली हैदराबाद किंग्समेन को शिकस्त दी। जीत से उत्साहित बाबर ने इसके बाद मौजूदा समय की वनडे की सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग-11 चुनी। हालांकि, यह टीम चुनते ही वह सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का शिकार हो गए। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि बाबर ने अपनी टीम में ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जो समझ से परे है। बाबर ने इस टीम में किसी भारतीय को शामिल नहीं किया है। न ही इस टीम में वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाड़ी हैं। स्पोर्ट्स वेबसाइट क्रिकट्रैकर ने पेशावर जाल्मी के हवाले से बाबर की टीम शेयर की है।

बाबर की सर्वश्रेष्ठ वनडे 11 में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के दो-दो खिलाड़ी हैं। वहीं, उन्होंने अफगानिस्तान के भी एक खिलाड़ी को शामिल किया है। बाबर ने अपनी टीम की ओपनिंग की जिम्मेदारी मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड को सौंपी है। वहीं, नंबर तीन पर एडेन मार्करम और चौथे स्थान पर मोहम्मद रिजवान हैं। रिजवान हाल फिलहाल में खराब फॉर्म की वजह से आलोचनाओं का शिकार हुए हैं। वह फिलहाल पाकिस्तान टीम में भी नियमित खिलाड़ी नहीं हैं। ऐसे में बाबर ने रिजवान को शामिल किया और इसका मजाक खुद पाकिस्तानी भी बना रहे हैं। रिजवान को ही विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

पांचवें नंबर पर बाबर ने रचिन रवींद्र और छठे स्थान पर हैरी ब्रूक को शामिल किया है। वहीं, बॉलिंग ऑलराउंडर के तौर पर टीम में मिचेल सैंटनर और अफगानिस्तान के राशिद खान को शामिल किया है। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बाबर ने जोफ्रा आर्चर, शाहीन अफरीदी और कगिसो रबाडा को सौंपी है। शाहीन हाल ही में बांग्लादेश दौरे के लिए वनडे टीम के कप्तान बनाए गए थे और पाकिस्तान की टीम उस सीरीज में 2-1 से हारी थी। शाहीन अपनी फॉर्म को लेकर भी आलोचनाओं में हैं। इसके बावजूद बाबर ने उन्हें शामिल किया। हैरानी की बात तो यह है कि वनडे के तीन मौजूदा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह का नाम इस लिस्ट में नहीं है।

### सीएसके से हार के बाद डीसी की रणनीति पर सवाल

# फिंच ने अक्षर पटेल के फैसले को बताया बड़ी भूल टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला बना हार की वजह

**नईदिल्ली, एजेंसी**

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मंगलवार की शाम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच खेले गए मुकाबले में दिल्ली को एक बार फिर निराशा हाथ लगी। कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन यह रणनीति टीम पर भारी पड़ गई। दिल्ली की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर केवल 155 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके ने बेहद सहज अंदाज में 17.3 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर 159 रन बना लिए और मैच 8 विकेट से जीत लिया। मैच के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने दिल्ली के इस फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे ÷हैरान करने वाला और

निराशाजनक बताया।

फिंच ने बताया रणनीतिक गलती, डेटा के बावजूद गलत निर्णय ईएसपीएनक्रिकइंफो पर बातचीत करते हुए फिंच ने कहा कि आज के दौर में जब टीमों के पास डेटा और एनालिटिक्स की भरमार है, ऐसे में पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय और भी चौंकाने वाला हो जाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को यह स्पष्ट जानकारी थी कि इस सीजन में पहले बल्लेबाजी करते हुए उनका प्रदर्शन कमजोर रहा है, इसके बावजूद वही गलती दोहराई गई।

फिंच ने कहा यह फैसला किसी भी तरह से समझ में नहीं आता। अगर आंकड़े लगातार यह दिखा रहे हैं कि टीम पहले बल्लेबाजी करके मैच नहीं जीत पा रही है, तो फिर उसी रणनीति को दोहराना बड़ी चूक है। उन्होंने आगे कहा कि मैदान पर गलतियों को समझा जा सकता है क्योंकि खेल में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं, लेकिन जब फैसले ही बार-बार गलत हों तो यह गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। दिल्ली कैपिटल्स की यह हार उनके मौजूदा सीजन की स्थिति को और खराब कर गई है। टीम ने इस सीजन की शुरुआत तो लगातार दो जीत के साथ की थी।

# रोहित लौट आए... धोनी कब? IPL 2026 में 'थाला' की एंट्री अब भी पहेली

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आईपीएल 2026 का रोमांच अपने चरम की ओर बढ़ रहा है. 48 मुकाबले खेले जा चुके हैं, प्लेऑफ की तस्वीर धीरे-धीरे साफ हो रही है, लेकिन इस पूरे सीजन की सबसे बड़ी कहानी अब भी अधूरी है- महेंद्र सिंह धोनी की वापसी पर सस्पेंस बरकरार है। दुनिया की सबसे लुभावनी टी20 लीग में इस बार थाला अब तक मैदान पर उतरे ही नहीं हैं। इस पूरे सस्पेंस को एक लाइन सबसे बेहतर तरीके से बयां करती है- सीएसके के स्क्वॉड में नाम देखकर उम्मीद जगती है, लेकिन मैच शुरू होते ही साफ हो जाता है-धोनी अभी भी 'वेटिंग लिस्ट' में हैं. यानी नाम टीम में है, मौजूदगी ड्रेसिंग रूम में है, लेकिन स्कोरकार्ड में जगह अब भी खाली है।

धोनी को लेकर सबसे बड़ा कन्फ्यूजन यहीं से पैदा होता है। वह नेट्स में पूरी तरह एक्टिव नजर आते हैं, बड़े-बड़े शॉट्स लगाते हुए वही पुराना टच भी दिखता है, लेकिन इसके बावजूद प्लेइंग इलेवन में उनका नाम नहीं होता। यानी मामला

फिटनेस का कम और 'मैच रेडीनेस' का ज्यादा है और यही फर्क इस पूरे सस्पेंस की असली जड़ बन चुका है. चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह सीजन अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन सबसे बड़ा खालीपन धोनी की गैरमौजूदगी ने छोड़ा है. सीजन आधे से ज्यादा गुजर चुका है, टीम के पास अब सिर्फ चार मैच बचे हैं, और प्लेऑफ की राह उतनी आसान नजर आ रही है. ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है- क्या यह पूरा सीजन बिना धोनी के ही निकल जाएगा।

धोनी की गैरमौजूदगी का असर सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी साफ नजर आ रहा है. चेन्नई सुपर किंग्स पॉइंट्स टेबल में फिलहास टॉप-4 से नीचे यानी छठे स्थान पर है और हालात ऐसे हैं कि अब टीम के पास गलती की गुंजाइश खत्म हो चुकी है। हर मुकाबला लगभग करो या मरो की स्थिति में बदल चुका है। एक और हार टीम के मनोबल को गहरा झटका दे सकती है ऐसे दबाव भरे समय में अनुभवी नेतृत्व की अहमियत और बढ़ जाती है...और यही जगह धोनी वर्षों से भरते आए हैं। धोनी की वापसी को लेकर आधिकारिक स्थिति अब भी साफ नहीं है. सीएसके के बॉलिंग कंसल्टेंट एरिक सिमंस ने कहा कि धोनी की स्थिति उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है, लेकिन वह धीरे-धीरे बेहतर हो रहे हैं. यह बयान उम्मीद तो देता है, लेकिन तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं करता. इससे संकेत मिलता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी तरह का जोखिम लेने से बच रहा है और धोनी की वापसी को लेकर बेहद सतर्क है. अब इस बीच सीएसके के बैटिंग कोच माइकल हसी का बयान उम्मीद भी जगाता है और इंतजार भी बढ़ाता है।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

# इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर 'ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस'

**मुंबई।** मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे।

सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक

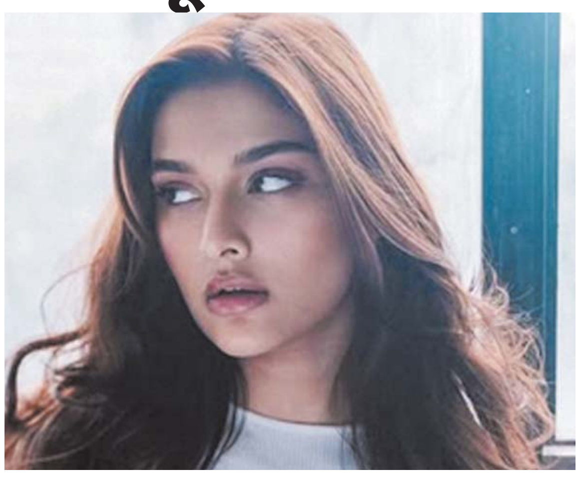

याद रखा जाता है। सई ने आगे कहा, मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।

उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इंडिया हाउस को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

# विक्की कौशल का शर्मीला अंदाज आया सामने शबाना आजमी की फोटो ने जीता दिल

**मुंबई।** दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पुरानी और दिलचस्प तस्वीर साझा की, जिसमें उनके साथ अभिनेता विक्की कौशल नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर किसी इवेंट के दौरान की लगती है, जहां दोनों हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। खास बात यह है कि बातचीत के दौरान विक्की के चेहरे पर शर्मीली मुस्कान साफ झलक रही है, जिसे देखकर फैंस भी काफी खुश नजर आए।

तस्वीर में शबाना आजमी गुलाबी रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत लग

रही हैं, साथ ही उन्होंने बालों में फूल लगाकर अपने लुक को और आकर्षक बनाया है। वहीं विक्की कौशल ब्लैक टक्सीडो में बेहद हैंडसम दिखाई दे रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए शबाना ने मजाकिया कैप्शन लिखा, मैं ऐसा क्या कह रही थी कि तुम इतने शरमा गए। उनके इस अंदाज को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल के करियर की बात करें तो उन्होंने मसान से बतौर लीड एक्टर पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने राजी, संजू, उरीरू द सर्जिकल स्ट्राइक, सरदार उधम और सैम बहादुर जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। उनकी हालिया फिल्म 'छावा' ने भी उन्हें चर्चा में बनाए रखा है। विक्की ने 9 दिसंबर 2021 को अभिनेत्री कैटरीना कैफ से शादी की थी और 2025 में दोनों माता-पिता बने।

### शबाना आजमी का शानदार करियर

वहीं शबाना आजमी पिछले कई दशकों से हिंदी सिनेमा का अहम हिस्सा रही हैं। उन्होंने अंकुर से अपने करियर की शुरुआत की थी और अर्थ, मंडी, पार और फायर जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय किया। उनकी शादी प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर से हुई है।

## मेट्रो बाजार

# भारत का सर्विसेज पीएमआई अप्रैल में पांच महीनों के उच्चतम स्तर 5.8 पर रहा

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारत के सर्विसेज सेक्टर में गतिविधियां मजबूत बनी हुई है और इससे सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में पांच महीनों के उच्चतम स्तर 58.8 पर पहुंच गया है। यह नवंबर 2025 के बाद सबसे अच्छा पीएमआई आंकड़ा है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुए एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई डेटा में दी गई।

इससे पहले मार्च में एचएसबीसी सर्विसेज पीएमआई डेटा 57.5 पर रहा। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने कहा कि नए बिजनेस में बीते पांच महीनों में सबसे तेज गति से वृद्धि हुई है और इसे प्रतिस्पर्धी कीमतों, ई-कॉमर्स गतिविधियों और रीलोकेशन एवं लॉजिस्टिक्स सर्विसेज की मजबूत मांग का फायदा मिल रहा है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में कमी आने के बावजूद गतिविधियां और नए ऑर्डर मजबूत हुए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि मध्य पूर्व संघर्ष के बीच मांग विदेशी बाजारों से घरेलू उपभोक्ताओं की ओर स्थानांतरित हो रही है। लागत के मोर्चे पर, इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति मार्च से थोड़ी कम हुई है। उच्च लागत दबाव के बावजूद, आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत कम रही, जिससे संकेत मिलता है कि कुछ फर्मों ने बढ़ी हुई लागत को ग्राहकों पर डालने के बजाय स्वयं वहन किया। हालांकि, सर्विस कंपनियां आगामी वर्ष के लिए आशावादी बनी हुई है, क्योंकि उन्हें मजबूत मांग, विपणन पहलों और ग्राहकों की बढ़ती पूछताछ से उम्मीद है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और लागत दबावों को लेकर चिंताओं के कारण माहौल में थोड़ी नरमी आई। इस बीच, पूरे क्षेत्र में भर्ती गतिविधियों में तेजी आई, कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अल्पकालिक कर्मचारियों और कनिष्ठ स्तर के श्रमिकों को नियुक्त किया।

# सरकार ने लॉन्च किया स्वस्थ भारत पोर्टल, अब एक ही प्लेटफॉर्म से जुड़ेंगी सभी डिजिटल हेल्थ सेवाएं

**नईदिल्ली, एजेंसी**

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार ने देश के विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ने के लिए स्वस्थ भारत पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल को एपीआई-आधारित एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है ताकि अलग-अलग सिस्टम और बिखरे हुए डाटासेट को एक जगह लाया जा सके। इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और बार-बार एक ही डाटा भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस पोर्टल के जरिए सभी स्वास्थ्य सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जुड़ेंगी, जिससे काम करने में आसानी होगी और अलग-अलग एप्लिकेशन के बीच तालमेल बेहतर बनेगा। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाएं एक ही इंटरफेस पर उपलब्ध होंगी। इससे बार-बार लॉगिन करने और डाटा एंट्री करने की समस्या खत्म होगी और काम की गति बढ़ेगी।

भारत में काम करने वाले फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स, जैसे आशा कार्यकर्ता, सहायक नर्स दाई, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और मेडिकल अधिकारी, को अभी तक रिपोर्टिंग के लिए कई अलग-अलग ऐप का इस्तेमाल करना पड़ता था, जिसमें काफी समय लगता था। नया पोर्टल इस समस्या को हल करता है और एक ही जगह पर सभी सेवाओं की सुविधा देता है।

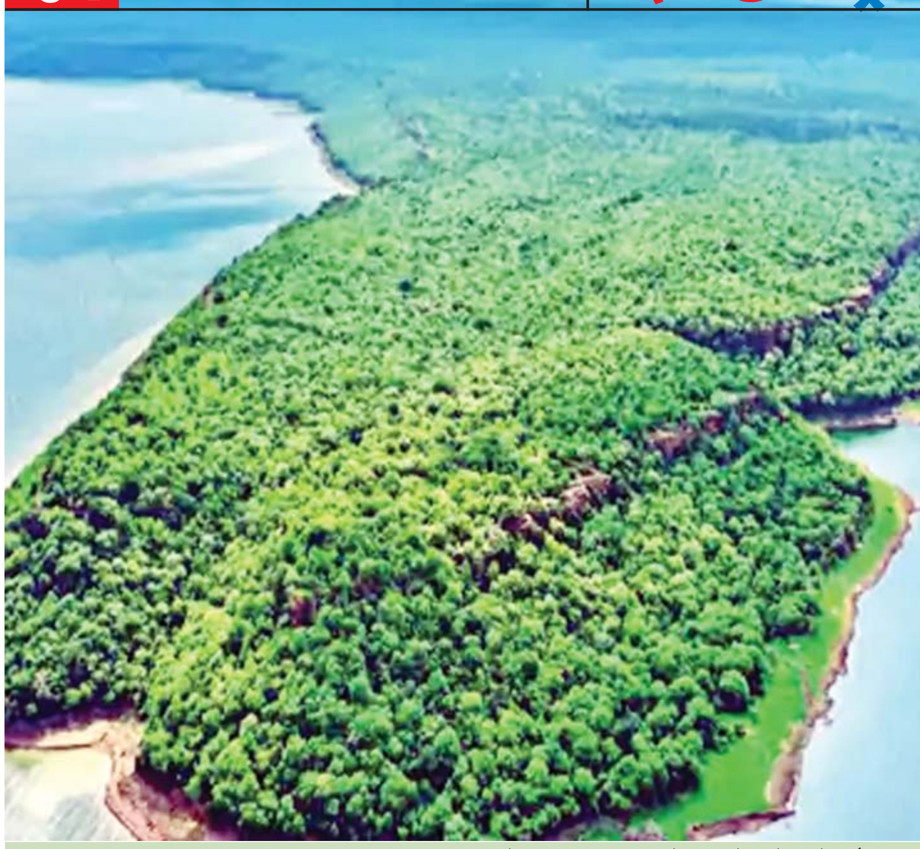

# गांधीसागर बांध: यहां लगे 1.5 करोड़ पेड़ों में है 65 लाख इंसानों को ऑक्सीजन देने की क्षमता

**मंदसौर।** महानगरों में जहां लोग 'एयर क्वालिटी इंडेक्स' के खतरनाक स्तर और जहरीली हवा से जूझ रहे हैं, वहीं मध्य प्रदेश के मंदसौर और नीमच जिलों की सीमा पर फैला गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य एक विशाल 'ऑक्सीजन पावर बैंक' बनकर उभरा है। 1984 में अधिसूचित 368.62 वर्ग किमी टर में फैला यह अभयारण्य न केवल वन्यजीवों की सुरक्षित शरणस्थली है, बल्कि यह हर साल लाखों टन शुद्ध ऑक्सीजन का उत्पादन कर पर्यावरण को 'रिचार्ज' कर रहा है। वानिकी आंकड़ों के अनुसार गांधीसागर और इसके जलग्रहण क्षेत्रों को मिलाकर यहां लगभग 1.5 करोड़ से अधिक पेड़ लगे हैं। खैर, सलाई, पलाश, तेंदू और धावड़ा जैसे पेड़ों से सजा यह जंगल बिना किसी शोरगुल या बिजली की खपत के दिन-रात एक प्राकृतिक कारखाने की तरह काम कर रहा है।

### अभयारण्य का पारिस्थितिकी तंत्र

- कुनो के बाद अब इसे अफ्रीकी चीते के दूसरे घर के रूप में चुना गया है। अभी यहां दो नर व मादा चीता है। मई में यहां और चीते आएंगे।
- यहां गिद्धों की संख्या तेजी से बढ़ी है। वन विभाग के आंकड़ों 2025-26) के अनुसार यहां 7 विभिन्न प्रजातियों के 1054 से अधिक गिद्ध मौजूद हैं।
- जलीय क्षेत्रों के ताजा सर्वे में 139 से अधिक प्रकार के जलपक्षी और प्रवासी पक्षी रिकॉर्ड किए गए हैं, जो इसे एक प्रमुख 'बर्डिंग साइट' बनाते हैं।

## ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर पीएम मोदी का सेना को सलाम

## भारत लगातार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा

# हम आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के इरादे पर मजबूती से कायम

**नई दिल्ली, एजेंसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प को सलाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक साल पहले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने भारतीय सेनाओं की पेशेवर क्षमता, तैयारी और आपसी समन्वय को दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया। साथ ही यह भी दिखाया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों ने देश की सुरक्षा को और मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद और उसे समर्थन देने वाले पूरे तंत्र को खत्म करने के अपने संकल्प पर पूरी मजबूती से कायम है।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर चेंज की डीपी, पाक को सख्त संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई निर्णायक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरे होने पर आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रोफाइल पिक्चर (डीपी) बदली है। प्रधानमंत्री की नई डिस्प्ले पिक्चर में भारतीय तिरंगे के साथ ऑपरेशन सिंदूर का आधिकारिक लोगो प्रमुखता से दिखाया गया है।

### भारत की तरफ आंख उठाई तो सरहद पार भी नहीं छोड़ेंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान सेना के जवानों ने जिस अद्वितीय सटीकता, बेहतरीन तालमेल और तीनों सेनाओं के बीच मजबूत समन्वय का प्रदर्शन किया, वह आधुनिक सैन्य अभियानों के लिए एक नया मानक बन गया है। ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मनिर्भरता अभियान की दिशा में लगातार बढ़ते कदमों का प्रमाण है। उन्होंने चेतावनी दी है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं की सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

### गृह मंत्री ने आतंकियों को दी चेतावनी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारत की सैन्य शक्ति का ऐतिहासिक प्रतीक बन गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर हमेशा दुश्मनों को भारतीय सेना की अचूक मारक क्षमता की याद दिलाता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि इतिहास इस दिन को भारतीय सेनाओं की सटीक स्ट्राइक क्षमता, खुफिया एजेंसियों की सूक्ष्म जानकारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के संयुक्त प्रदर्शन के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में भारतीय नागरिकों पर हमला करने वाले आतंकियों और उनके ठिकानों को सीमा पार जाकर नष्ट किया गया। गृह मंत्री ने आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे कहीं भी छिप जाएं, भारत की नजर और सेना की मारक शक्ति से बच नहीं सकते।

## न्यूज विंडो

### धीमा फैसला देने वाले इमिग्रेशन जजों को हटाने में जुटा अमेरिकी न्याय विभाग

**फीनिक्स।** अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने डिपोर्टेशन में तेजी लाने के लिए अब धीमा फैसला देने वाले इमिग्रेशन जजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग अब उन इमिग्रेशन जजों को हटाने की दिशा में काम कर रहा है, जो बहुत धीरे फैसले देते हैं या कानून का पालन नहीं करते। यह बात एक्शन अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कही। ट्रंप प्रशासन इमिग्रेशन अदालतों को नया रूप देना चाहता है और 37 लाख लंबित मामलों के बैकलॉग को कम कर बड़े पैमाने पर डिपोर्टेशन (निर्वासन) की अपनी मुहिम को तेज करना चाहता है। ट्रंप प्रशासन के डिपोर्टेशन कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए पिछले महीने पाम बॉन्डी को उनके पद से हटाए जाने के बाद अब ब्लैंच ने मोर्चा संभाला है। वह फीनिक्स में बॉर्डर सिक्योरिटी एक्सपो के वार्षिक कार्यक्रम में मौजूद रहे।

### धार में पुराना चंबल पुल तोड़ने के दौरान 250 मीटर स्लैब अचानक गिरा

**धार-घाटा बिल्लोद।** घाटा बिल्लोद में चंबल नदी पर अंग्रेजों के जमाने के पुराने पुल को तोड़ने का कार्य के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। पुल तोड़ने के दौरान पोकलेन मशीन से काम में कथित लापरवाही के चलते अचानक करीब 250 मीटर लंबा स्लैब भरभराकर गिर पड़ा।स्लैब गिरते ही मशीन के पंजे पर आ गिरा, जिससे मशीन का संतुलन बिगड़ गया और उसमें धुआं उठने लगा। मौके पर कुछ पल के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई, हालांकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।जानकारी के अनुसार, पुल को ध्वस्त करने के लिए आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। लेकिन कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आने से बड़ा खतरा पैदा हो गया।

# ACB की बड़ी कार्रवाई: 900 करोड़ घोटाले में पूर्व मंत्री जोशी गिरफ्तार

**जयपुर, एजेंसी**

राजस्थान में जल जीवन मिशन घोटाले की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। करीब 900 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में यह कार्रवाई की गई है। आरोप है कि मंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार कर रिश्वत ली थी।

इससे पहले अप्रैल 2025 में प्रवर्तन निदेशालय ने भी महेश जोशी को इसी मामले में गिरफ्तार किया था। उस समय उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को गलत बताते हुए कहा था कि उन्होंने कोई गड़बड़ी नहीं की और न ही कोई पैसा लिया। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें 3 दिसंबर 2025 को जमानत मिली थी। ACB ने इस मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित 22 अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज की थी। इनमें जल जीवन मिशन से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी और इंजीनियर शामिल हैं।

### ईमेल आईडी से मिला बड़ा सुराग

ACB को जांच के दौरान कुछ संदिग्ध ईमेल आईडी से महत्वपूर्ण लीड मिली थी। इन्हीं के आधार पर अधिकारियों और ठेकेदारों की कथित मिलीभगत का खुलासा हुआ। अब तक इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि 3 आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं।

### पूछताछ के बाद कार्रवाई

इससे पहले 9 अप्रैल को जलदाय विभाग के पूर्व एसई सुबोध अग्रवाल को भी एक्कने गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान महेश जोशी की भूमिका को लेकर उनसे पूछताछ की गई थी। अब ACB ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए पूर्व मंत्री तक पहुंच बनाई है।

### आईटी कारोबारी के ठिकानों पर ईडी रेड, 9वीं मंजिल से फेंके नोटों से भरे बैग

**मोहाली।** मोहाली जिले के खरड़ स्थित नामी हाउसिंग सोसायटी वेस्टर्न टावर्स में वीरवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेड की है। रेड के दौरान नौवीं मंजिल के एक फ्लैट से नकदी से भरे दो बैग नीचे फेंके गए, जिसके बाद सोसायटी परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार ईडी की टीम सुबह करीब सात बजे दिल्ली से खरड़ पहुंची और चज्जूमाजरा स्थित वेस्टर्न टावर्स सोसायटी के फ्लैट नंबर 906 में तलाशी अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि यह फ्लैट आईटी कारोबारी नितिन गोयल से जुड़ा हुआ है। ईडी अधिकारियों ने फ्लैट के अंदर कई घंटों तक दस्तावेजों और अन्य रिकार्ड की गहन जांच की। इस दौरान फ्लैट अंदर से बंद बताया गया।

## गेहूं खरीदी में अव्यवस्था को लेकर आंदोलन

# आगरा-मुंबई एनएच पर कांग्रेस का चक्काजाम

**इंदौर, शाजापुर, मुरैना**

प्रदेश में कांग्रेस आज गेहूं खरीदी में अव्यवस्था को लेकर बड़ा आंदोलन कर रही है। पार्टी एमपी से गुजरने वाले आगरा-मुंबई एनएच- 52 पर चक्काजाम कर रही है। यह चक्काजाम नेशनल हाईवे के 7 अलग-अलग स्थानों पर हो रहा है। इंदौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बायपास पर लगाया डेढ़ किलोमीटर लंबा जाम लगाया है। वहीं, उज्जैन के कांग्रेस कार्यकर्ता सामाजिक न्याय परिसर से मक्सी के पास हाईवे पर प्रदर्शन के लिए निकले हैं। तराना विधायक महेश परमार ने कहा कि तराना के आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान भी जाम में शामिल हो रहे हैं।उज्जैन से 150 वाहनों का काफिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में रवाना हुआ। इसमें बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हैं।शाजापुर जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर रोजवास टोल प्लाजा पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सुबह से जिलेभर के पुलिस जवान और अधिकारी लालघाटी स्थित बापू की कुटिया के पास जमा हैं।

### जीतू पटवारी बोले- यह तो अभी ट्रेलर

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रभारी हरीश चौधरी रोजवास टोल प्लाजा पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जीतू पटवारी ने कहा कि यह तो अभी 'ट्रेलर' है। किसानों के साथ अत्याचार किया जा रहा है और उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की आवाज उठाने की जरूरत पड़ी तो इससे भी बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

### चक्काजाम में फंसी शादी की बस, कार्यक्रम लेट

गुना में कांग्रेस के चक्काजाम के कारण शादी समारोह में जा रही एक बस जाम में फंस गई। आज रात लड़की की बारात आनी है, जबकि दिन में मेहंदी, फलदान सहित अन्य कार्यक्रम होने हैं। लड़की का परिवार जाम में फंसने से कार्यक्रम लेट हो रहे हैं। शिवपुरी की आरती अग्रवाल की शादी रुठियाई के संस्कार अग्रवाल से होनी है।

# श्रीलंका की सामूहिक कब्र से निकल रहे नर कंकाल, खुदाई में अब तक 250 शव बरामद

**जाफना, एजेंसी**

श्रीलंका में जाफना के पास चेम्मनी में कथित सामूहिक कब्रगाह में मिले कंकालों की संख्या खुदाई के तीसरे चरण में बढ़कर 249 हो गई है। एक मानवाधिकार मामलों के वकील ने यह जानकारी दी। श्रीलंका की एक अदालत ने पिछले हफ्ते चेम्मनी में सामूहिक कब्रगाह की खुदाई फिर से शुरू करने का आदेश दिया था, जो सात महीने पहले रोक दी गई थी। साल 1990 के दशक में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के संघर्ष के दौरान यह कब्रगाह चर्चा में आई थी। यहां धन की कमी के कारण पिछले साल सितंबर में खुदाई रोक दी गई थी। दूसरे चरण की खुदाई 45 दिनों तक चली, जिसमें 240 कंकाल मिले थे।

### सिक्के और आभूषण भी मिले

मानवाधिकार वकील रनीथा ज्ञानराजा के अनुसार तीसरे चरण में मंगलवार तक 9 और कंकाल बरामद किए गए। उन्होंने बताया, 'कुछ सिक्के और एक आभूषण जैसा दिखने वाला टुकड़ा भी खुदाई में मिला है।'

### कोर्ट ने न्यायिक परीक्षण का दिया था आदेश

इससे पहले 13 फरवरी 2025 को चेम्मनी में सामान्य विकास कार्य के दौरान कुछ कंकाल मिले थे, जिसके एक सप्ताह बाद अदालत ने उनके न्यायिक परीक्षण का आदेश दिया। इसके बाद 15 मई को न्यायिक निगरानी में खुदाई का पहला चरण शुरू हुआ। बता दें कि चेम्मनी 1998 में लिट्टे और सरकारी बलों के बीच संघर्ष के दौरान कथित सामूहिक कब्रगाह के कारण चर्चा में आया था। उस समय वहां लगभग 15 कंकाल मिले थे।

### मथुरा में पुलिस एनकाउंटर में ढेर हुए दो बदमाश, बावरिया गिरोह के थे सदस्य

**मथुरा।** मथुरा के सुरीर थाना क्षेत्र के टैंटीगांव में बीती 23 अप्रैल की रात एक बड़े डकैती कांड को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं। यह मुठभेड़ सुबह हुई, जिसमें दोनों आरोपी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मारे गए बदमाशों की पहचान राजस्थान के भरतपुर निवासी धर्मवीर उर्फ लंबू और अलवर निवासी राजेंद्र उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। दोनों कुख्यात बावरिया गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये नकाबपोश बदमाश 23 अप्रैल की रात टैंटीगांव में व्यवसायी अजय अग्रवाल के घर में घुस गए थे। उन्होंने घर में मौजूद लोगों को धमकाकर करीब 30 लाख रुपये की नकदी और जेवरात लूट लिए थे। इस घटना के बाद से ही पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सुबह इन दोनों वांछित अपराधियों को घेर लिया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।

## मेट्रो एंकर

## अंबानी ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के टॉप-20 से हुए बाहर

# अंबानी का घटा रुतबा, मस्क से अर्नाल्ट तक पर डॉलर की बारिश

**नई दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी**

दुनिया के अमीरों में मुकेश अंबानी रुतबा घट गया है। अंबानी ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के टॉप-20 से बाहर हो गए हैं। दूसरी ओर टॉप-10 अरबपतियों में से 9 पर बुधवार को डॉलर की बारिश हुई है। टेस्ला के एलन मस्क की दौलत में बुधवार को 6.66 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इसके साथ ही उनकी संपत्ति 663 अरब डॉलर पर पहुंच गई है।

लैरी पेज की दौलत 8.01 अरब डॉलर बढ़ी। अब इनके पास 335 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। सर्गी ब्रिन के ऊपर 7.37 अरब डॉलर की बारिश हुई है। इनका नेटवर्थ 311 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर काबिज अमेजन के मालिक जेफ बेजोस के पास 292 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनमें बुधवार को 1.46 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। लैरी एलिसन की दौलत अब 9.03 अरब डॉलर उछलकर 247 अरब डॉलर पर पहुंच गई है।

### अडानी 17वें पोजीशन पर और मजबूत हुए, अंबानी बाहर

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में अडानी 17वें पोजीशन पर और मजबूत हो गए हैं। उनकी संपत्ति में 2.19 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। अब अडानी का नेटवर्थ 109 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। दूसरी ओर मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की टॉप-20 लिस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी दौलत में बुधवार को 746 मिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। अब अंबानी का नेटवर्थ 95.6 अरब डॉलर रह गया है। मुकेश अंबानी ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में 21वें पायदान पर आ गए हैं।

### जुकरबर्ग की दौलत में 2.76 अरब डॉलर की बढ़ोतरी

फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप की मूल कंपनी मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग की दौलत में 2.76 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। अब जुकरबर्ग के पास कुल 218 अरब डॉलर की संपत्ति है।माइकल डेल की दौलत 6.59 अरब डॉलर बढ़कर 189 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। जेनसेन हुआंग ने भी बुधवार को 9.09 अरब डॉलर पीट डाले। इनके पास कुल 162 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। बर्नार्ड अर्नाल्ट की दौलत भी 7.43 अरब डॉलर बढ़कर 162 अरब डॉलर पर पहुंच गई है।

अरबपतियों के नेटवर्थ का बड़ा हिस्सा उनके शेयरों से आता है। ऐसे में जब शेयरों के भाव में उछाल आता है तो उनका नेटवर्थ भी बढ़ जाता है। एनवीडिया के शेयर की कीमत 5.68% बढ़ी, इंटेल के शेयरों में 4.46% की वृद्धि हुई, एप्पल के शेयर की कीमत में 1.16% की वृद्धि हुई और टेस्ला के शेयर की कीमत में 2.37% की वृद्धि हुई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564